RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 89 ता. 30 सितम्बर 2021, गुरूवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नौकरी से पहले की तारीख से वरिष्ठता का दावा नहीं कर सकता कर्मचारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि कोई भी कर्मचारी उस तारीख से पूर्व प्रभावी वरिष्ठता का दावा नहीं कर सकता, जिस तारीख को वह सेवा (नौकरी) में शामिल भी नहीं हुआ था। शीर्ष अदालत ने यह फैसला पटना हाईकोर्ट के एक फैसले को चुनौती देने वाली बिहार सरकार की याचिका पर दिया, जिसमें हाईकोर्ट ने एक कर्मचारी को नियुक्ति तिथि से दस साल पहले से पूर्व प्रभावी वरिष्ठता देने का निर्देश सरकार को दिया था। जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी व जस्टिस हृषिकेश रॉय की पीठ ने कहा, यह यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि जब तक अदालत की तरफ से निर्देशित या लागू नियमों द्वारा पूर्वव्यापी वरिष्ठता स्पष्ट रूप से प्रदान नहीं की जाती है, तब तक इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से पहले ही नौकरी हासिल कर चुके लोग प्रभावित होंगे। पीठ ने गौर किया कि इस मामले में प्रतिवादी को मिली राहत नियुक्ति पर सवाल नहीं है बल्कि उसकी तरफ से नियुक्ति से पहले के दस साल की वरिष्ठता का दावा किया जाना है अहम है, जबकि इन दस साल में उसने नौकरी पर नियुक्ति ही नहीं होने के चलते एक भी दिन काम नहीं किया है। दरअसल एक होमगार्ड के निधन के बाद उसके बेटे ने मृतक आश्रित कोटे में नौकरी मांगी थी। संबंधित कमेटी ने 1985 में उसे मृतक आश्रित कोटे में नौकरी देने की मंजूरी दे दी। लेकिन शारीरिक मानकों पर अनफिट पाए जाने के बाद नौकरी से इनकार पर उसने हाईकोर्ट से गुहार लगाई थी। पटना हाईकोर्ट ने युवक को अधिनायक लिपिक के बजाय चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी वर्ग में नौकरी देने का आदेश दिया, लेकिन उसने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बिहार होमगार्ड के कमांडेंट ने युवक को 27 फरवरी, 1996 को नियुक्ति दे दी। लेकिन नौकरी के छह साल बाद उक्त युवक ने 2002 में अपना वरिष्ठता क्रम 5 दिसंबर, 1985 के आधार पर तय करने का आवेदन राज्य सरकार को दिया, जिसे खारिज कर दिया गया।

सांसद तिवारी का सिद्धू पर हमला

पंजाब की समझ नहीं, हालात देख पाकिस्तान खुश होगा; सीएम ने 2 मेंबरी कमेटी बनाई

जालंधर। पंजाब कांग्रेस प्रधान से इस्तीफा देने वाले नवजोत सिद्धू पर सांसद मनीष तिवारी ने हमला बोला है। बिना नाम लिए तिवारी ने कहा कि पंजाब उनके हाथों में दे दिया गया, जिन्हें वहां की समझ ही नहीं है। पंजाब पाकिस्तान का सीमा से लगा राज्य है। इसे सही तरीके से हैंडल नहीं किया गया। तिवारी ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। सिद्धू का नाम लिए बिना तिवारी ने कहा कि पंजाब के हालात देख इस वक्त अगर कोई सबसे ज्यादा खुश होगा तो वह पाकिस्तान है। उन्होंने कहा कि पंजाब में इस वक्त राजनीतिक स्थिरता की जरूरत है।

उधर, सिद्धू से विवाद को सुलझाने के लिए CM चरणजीत चन्नी ने दो सदस्यों की कमेटी बना दी है। जिसमें कैबिनेट मंत्री परगट सिंह और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को शामिल किया गया है। यह दोनों पहले भी 2 बार सिद्धू को मिल चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस हाईकमान ने यह भी कह दिया है कि अगर सिद्धू नहीं माने तो नया प्रधान चुन लिया जाए।

पंजाब कांग्रेस पद से इस्तीफे के बाद नवजोत सिद्धू ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। सिद्धू ने कहा कि 6 साल पहले जिन्होंने बादलों को क्लीन चिट दी। उन्हें इंसाफ का जिम्मा सौंपा गया है। इसमें सीधे तौर पर नए कार्यकारी डीजीपी इकबाल प्रीत सहोता को निशाना बनाया गया है। जिन्होंने ब्लैकेट बेल दी, वह एडवोकेट जनरल हैं। इसमें पूर्व DGP सुमेध सिंह सैनी के वकील रह चुके एडवोकेट एपीएस देयोल को टारगेट किया है। सिद्धू ने कहा कि मैंने हाईकमान को न गुमराह किया

और न होने दूंगा। इन लोगों को लाकर सिस्टम नहीं बदला जा सकता। जिन लोगों ने ड्रग तस्करों को सुरक्षा कवच दिया। उन्हें पहरेदार नहीं बनाया जा सकता। सीधे तौर पर नए मंत्रियों को लेकर यह बात कही गई। सिद्धू ने कहा कि मैं अड़ूंगा और लड़ूंगा। कोई पद जाता है तो जाए। इससे पहले पंजाब कांग्रेस में मचे घमासान के बीच कांग्रेस हाईकमान ने नवजोत सिद्धू का इस्तीफा फिलहाल नामंजूर कर दिया है और उन्हें मनाने की कोशिश की जा रही है। इसी बीच सिद्धू के पटियाला स्थित घर में हलचल बढ़ गई है। सिद्धू यहां से चंडीगढ़ जा सकते हैं। वहां वह किन नेताओं से मिलेंगे, इसके बारे में स्थिति साफ नहीं है। कांग्रेस हाईकमान ने मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी को सिद्धू को मनाने का जिम्मा सौंपा है। चन्नी ने आज सुबह भी मंत्री परगट सिंह और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को पटियाला भेजा था। वहां दोनों मंत्रियों की सिद्धू के साथ बैठक हुई। इसके बाद दोनों मंत्री चंडीगढ़ आ गए।

वहीं, सीएम चन्नी की अगुवाई में कैबिनेट की मीटिंग शुरू हो गई है। इस कैबिनेट बैठक में हाईकमान के दिए 18 सूत्रीय फॉर्मूले से जुड़े बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। जिससे सीधे तौर पर सिद्धू को जवाब दिया जाएगा। सिद्धू ने इस्तीफे की वजह नहीं बताई है। हालांकि उनके सलाहकार इसे हाईकमान के फॉर्मूले पर काम न करने से जोड़ रहे हैं। कैबिनेट की मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री चन्नी मीडिया से भी बातचीत कर सकते हैं।

सिद्धू से नए मंत्री नाराज

चन्नी कैबिनेट की बैठक ऐसे वक्त पर हो रही है, जब सिद्धू के इस्तीफे की टाइमिंग से ज्यादातर मंत्री नाखुश हैं। मंगलवार को जिस वक्त नए मंत्री कामकाज संभाल रहे थे, उसी वक्त सिद्धू ने इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया। इसके बाद देर रात तक इष्टरूचन्नी पंजाब सचिवालय में बैठे रहे। उन्होंने मंत्रियों के साथ बैठक भी की। हालांकि उन्होंने कहा था कि सिद्धू से बात कर उनकी नाराजगी के बारे में जानकारी लेंगे।

सिद्धू के समर्थन में 3 इस्तीफे

सिद्धू ने मंगलवार दोपहर पंजाब कांग्रेस प्रधान पद से इस्तीफा दिया था। इसके कुछ देर बाद कोषाध्यक्ष गुलजार इंदर चहल ने भी इस्तीफा दे दिया।

कोरोना दिल का नया दुश्मन, चार में से एक मौत का बना कारण

नई दिल्ली। वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के अनुसार, विश्व में 1.86 करोड़ लोग हर वर्ष हृदय संबंधी तकलीफों से जान गंवाते हैं। यही नहीं हृदय रोग से ग्रसित 52 करोड़ लोगों के लिए कोरोना महामारी खतरनाक चुनौती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पांच में से एक मौत का कारण कार्डियो वैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) या स्ट्रोक है। इसमें से एक तिहाई मौतें असामयिक होती हैं। अधिकतर मृतकों की उम्र 70 वर्ष से कम होती हैं।

हार्ट अटैक आने पर क्या करें?

108 पर फोन कर एम्बुलेंस बुलाएं या रोगी को खुद नजदीकी अस्पताल ले जाएं

लक्षण दिखने पर तुरंत एस्पिरिन दवा दें, हृदय को नुकसान होने से बचाएं

हृदय रोगी है और डॉक्टर ने नाइट्रोग्लिसिरन पहले लिखी है तो तुरंत दें

बेसुध है तो सीपीआर दें, एक मिनट में 100 से 120 बार सीने को दबाएं

80 फीसदी कार्डियक अरेस्ट के मामले

दुनियाभर में घर पर ही होते हैं

हार्ट अटैक के लक्षणों को ऐसे पहचानें

सीने में दबाव महसूस होना-दर्द होना-सीने या हाथ में खिंचाव महसूस होना

पाचन में तकलीफ

हार्टबर्न

पेट में दर्द

जी मिचलाना

सांस की तकलीफ

अचानक से थकान महसूस होना।

सभी सेवाओं के लिए आधार सत्यापन की फीस 20 रुपये से घटाकर 3 रुपये की

नई दिल्ली। आधार लागू करने वाली संस्था यूनिक आईडेंटिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने देश भर में किसी भी सेवा के लिए आधार सत्यापन की फीस 20 रुपये से घटाकर 3 रुपये कर दी है। यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ गर्ग ने एनपीसीआई-आईएएमएआई द्वारा आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बताया कि वित्तीय क्षेत्र में आधार से होने वाले लाभ अनगिनत हैं। उन्होंने कहा, 'हमने किसी भी सेवा के लिए हर बार आधार सत्यापन करवाने की फीस को 20 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति सत्यापन कर दिया है] ताकि अलग-अलग एजेंसियां और संस्थान देश के उस डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाने में सफल हो सकें, जिसका निर्माण सरकार ने लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए किया है।' देश में अब तक 99 करोड़ से अधिक ईकेवाईसी आधार सिस्टम के जरिये किए जा चुके हैं। आइए जानते देश की अन्य महत्वपूर्ण खबरें...

मुकुल रॉय की अयोग्यता याचिका पर सात अक्तूबर तक हो फैसला - कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर को विधायक मुकुल रॉय की

अयोग्यता याचिका पर सात अक्तूबर तक फैसला लेने का निर्देश दिया। कोर्ट भाजपा की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें मुकुल रॉय को पीएसी की अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को चुनौती दी गई थी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने 18 जून को स्पीकर बिमान बनर्जी से रॉय को कृष्णानगर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से सदस्य के तौर पर अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। इससे पहले, अधिकारी ने दल-बदल विरोधी कानून के तहत रॉय के इस्तीफे की मांग की थी। उनका आरोप था कि भाजपा की टिकट पर कृष्णानगर उत्तर से चुनाव जीतने के बाद तृणमूल में शामिल हुए थे।

मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रियों ने पीएम के समक्ष दी प्रस्तुति-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में योजनाओं की निगरानी और उसके क्रियान्वयन पर मंत्रियों ने पीएम के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी। सूत्रों ने बताया कि बैठक में विभिन्न परियोजनाओं और सरकारी योजनाओं को लागू करने और उनमें तेजी लाने को लेकर खुली चर्चा के बाद केंद्रीय मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत और पीयूष गोयल ने प्रस्तुति दी। यह 7 जुलाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद से चौथी बैठक थी।

गए थे कोरोना का टीका लगवाने, लगा दिया एंटी रेबीज, नर्स निलंबित

मुंबई। महाराष्ट्र के कलवा स्थित स्वास्थ्य केंद्र से लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां के अतकोनेश्वर स्वास्थ्य केंद्र पर कोरोना का टीका लगवाने आए व्यक्ति को रेबीज का इंजेक्शन लगा दिया गया। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने नर्स को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही पीड़ित व्यक्ति को डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक, अतकोनेश्वर स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को राजकुमार यादव कोरोना का टीका लगवाने पहुंचे थे। उन्हें कोविशील्ड लगाई जानी थी, लेकिन राजकुमार यादव गलती से उस लाइन में खड़े हो गए जहां एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया जा रहा था। जब उनकी बारी आई तो वहां मौजूद नर्स कीर्ति पोपड़े ने बिना कागज देखे उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगा दिया। जब मामला सामने आया तो जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया।

नर्स को चेक करने चाहिए थे कागज

मामला सामने आने के बाद अधिकारियों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति के कागजों की जांच करना नर्स की जिम्मेदारी है। नर्स की लापरवाही से

व्यक्ति की जान को खतरा पैदा हुआ। कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से नर्स को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि व्यक्ति की देखरेख डॉक्टरों की टीम कर रही है।

कौशल, गति और विशालता का बेहतरीन नमूना होगा देश का नया संसद भवन

नई दिल्ली। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन नया संसद भवन कौशल, गति और विशालता का बेहतरीन नमूना होगा। इसके निर्माण कार्य में हजारों मजदूर दिन रात जुटे हैं। यह आत्मनिर्भर भारत का बेजोड़ उदाहरण भी होगा, क्योंकि इसके हर घटक, वास्तुकला से लेकर निर्माण सामग्री तक स्वदेशी है। आवास और शहरी मामलों के सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने यहां संवाददाताओं से कहा कि नया संसद भवन अक्टूबर 2022 की समय सीमा में तैयार हो जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह चमत्कार होगा कि इतने कम समय में इतना विशाल भवन बनकर तैयार हो जाएगा, इस तरह की बहुत कम ही मिसालें होंगी। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

पिछले साल दिसंबर में इस प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी।उन्होंने कहा कि चौबीसों घंटे काम चल रहा है। 4,800 मजदूर साइट पर लगाए गए हैं, जबकि देश के विभिन्न हिस्से में 1,200 मजदूर काम कर रहे हैं। देश के 20 स्थानों पर नए संसद भवन से जुड़े काम हो रहे हैं, कहीं फर्नीचर तैयार किया जा रहा है तो कहीं पत्थरों की कटाई हो रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगले साल शीतकालीन सत्र नए भवन में होगा।मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भूकंपीय क्षेत्र-4 की श्रेणी में आता है लेकिन नए संसद भवन का निर्माण भूकंपीय क्षेत्र-5 को ध्यान में रखते हुए पूरा किया जाएगा और यह पांच सितारा प्लैटिनम की शीर्ष हरित रेटिंग के लिए अर्हता प्राप्त करेगा।

पुराने भवन की जुड़वा बहन नए संसद भवन की भव्यता पर उठाए जा रहे सवाल के बारे में पूछे जाने पर मिश्र ने कहा कि नया भवन लाल और पीले पत्थरों की पच्चीकारी के साथ मौजूदा संसद भवन की जुड़वा बहन की तरह दिखेगा। उन्होंने कहा कि नई इमारतों में अत्याधुनिक तकनीकी विशेषताएं होंगी, जो इसे साइबर खतरे समेत किसी भी खतरे से सुरक्षित बनाती हैं। पेड़ों का भी रखा गया ध्यान मिश्र ने नए भवन के निर्माण के लिए पेड़ों के नुकसान से जुड़ी आशंकाओं को भी दूर करने का प्रयास करते हुए कहा कि पेड़ काटे नहीं गए हैं बल्कि उन्हें दूसरी जगह लगाया गया है और उनमें से 80 प्रतिशत पेड़ बचे हुए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हटाए गए पेड़ों के बदले में 4,400 पौधे लगाए जा रहे हैं।जनता की संसद दिखेगी नई इमारत उन्होंने कहा कि वर्तमान संसद भवन को मीटिंग हाल के रूप में बनाया गया था और बाद में इसमें बदलाव कर दो मंजिलें जोड़ी गई थीं, जिसके परिणामस्वरूप धूप नहीं आती थी। नई इमारत आकर्षक और जनता की संसद की तरह दिखेगी।

वैश्विक स्वास्थ्य संरचना में सुधार के लिए भारत-अमेरिका साथ काम करें: मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका दोनों वैश्विक साझेदार हैं और दोनों को वैश्विक स्वास्थ्य संरचना में सुधार के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करने की जरूरत है। संरचना की कमजोरियां मौजूदा महामारी के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। भारत द्वारा आयोजित चौथी भारत-अमेरिका स्वास्थ्य वार्ता के समापन सत्र को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कुछ समान रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जहां भारत और अमेरिका दोनों काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इनमें स्वास्थ्य आपात स्थिति का प्रबंधन, डिजिटल स्वास्थ्य और नवाचार का समर्थन, मानसिक स्वास्थ्य, निदान से संबंधित उत्पादन से जुड़े शोध, कम लागत वाले अनुसंधान नेटवर्क और विशाल उत्पादन क्षमता के साथ वैक्सीन शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, इसका न केवल अमेरिका-भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए दवाओं की पहुंच और साम?र्थ्य पर प्रभाव पड़ता है।

मांडविया ने कहा कि भारतीय जेनेरिक दवाओं ने विश्व स्तर पर विभिन्न बीमारियों के इलाज की लागत को कम करने में मदद की है। उन्होंने कहा, भारत विकासशील दुनिया को लगभग सभी उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक

दवाओं की आपूर्ति करता है। हम टीबी रोधी दवाओं के सबसे बड़े निर्माता भी हैं। इस क्षमता का लाभ उठाते हुए हम दुनियाभर में मरीजों के लिए सस्ती उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं की आपूर्ति कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, मैं दोनों देशों के नियामकों के बीच बढ़ते सहयोग पर भी संतोष व्यक्त करता हूं और वैश्विक मंचों पर भी इस मुद्दे पर आगे ठोस परिणाम और संयुक्त रूप से काम करने की आशा करता हूं।%

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत विभिन्न मोर्चों पर अमेरिका के साथ अपने जुड़ाव को महत्व देता है और अमेरिका सबसे पुराना आधुनिक लोकतांत्रिक देश और भारत आधुनिक दुनिया में सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होने के नाते, दोनों देशों के बीच रचनात्मक और सकारात्मक सहयोग से शांति, सद्भाव, और समृद्धि की दिशा में बढ़ा जा सकता है और न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए।

उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री की हाल में समाप्त हुई अमेरिका यात्रा, विचार-विमर्श, व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और विशेष रूप से विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पारस्परिक हित के क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने व द्विपक्षीय संबंध को मजबूत करने की दिशा में एक और मील का पत्थर साबित हुई है। मांडविया ने कहा, इस यात्रा से स्वास्थ्य क्षेत्र में चल रहे हमारे सहयोग को भी लाभ होगा और भारत तथा अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों के साथ भी कोरोना सहायता, टीके के विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और अर्थव्यवस्थाओं का पुनरुद्धार जैसे मुद्दों पर सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दो दिवसीय संवाद के दौरान महामारी विज्ञान अनुसंधान और निगरानी, टीका विकास, स्वास्थ्य, जूनोटिक और वेक्टर जनित रोगों, स्वास्थ्य प्रणालियों और स्वास्थ्य नीतियों आदि को मजबूत करने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

सार समाचार

दिल्ली सरकार ने परिवहन दस्तावेजों की वैधता 30 नवंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मौजूदा ड्राइविंग लाइसेंस और परमिट सहित सभी परिवहन दस्तावेजों की वैधता 30 नवंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के अनुसार, यह कदम आम लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, खासकर कोविड के समय में जोनल कार्यालयों में भीड़भाड़ को कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि परिवहन विभाग इस विस्तार के संबंध में जल्द ही आवश्यक आदेश जारी करेगा। हाल के दिनों में, आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने लाइसेंस संबंधी प्रश्नों और कार्यों के लिए जोनल कार्यालयों में लोगों की भीड़ से बचने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस पहल के तहत, दिल्लीवासी जल्द ही घर पर लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे क्योंकि अधिकांश परिवहन सेवाओं को ऑनलाइन प्रणाली के दायरे में लाया जाएगा। दिल्ली सरकार दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 88 कॉलेजों को लाइसेंस बनाने के कार्य में शामिल करने की योजना बना रही है जो कॉलेज के छात्रों के लिए भी खुला रहेगा। पूरे सिस्टम को अधिक कुशल और आसानी से उपलब्ध कराने के लिए, सरकार डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म या एमपरिवहन मोबाइल ऐप भी लेकर आई है, जिसके इंस्टॉल होने के बाद कार या दोपहिया मालिकों को अपना ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) और पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) हर समय नहीं रखना होगा। इसके बजाय, वे इन दस्तावेजों की एक सॉफ्ट कॉपी यातायात पुलिस या परिवहन विभाग को प्रदान कर सकते हैं।

बंगाल उपचुनाव में बारिश खड़ी कर सकती है मुश्किलें, कुछ इलाकों में येलो अलर्ट जारी

कोलकाता। उत्तरी कोलकाता के अहिरीटोला में बुधवार को एक इमारत के गिरने से एक बच्चे और उसकी मां समेत छह लोग अंदर फंस गए। शहर में आधी रात से लगातार हो रही बारिश के कारण यह हादसा हुआ है। गुरुवार को भवानीपुर समेत तीन विधानसभा उपचुनाव कराने की तैयारी में जुटे प्रशासन के लिए यह एक चिंता की बात है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में शहर और उसके आसपास के जिलों में और बारिश होने का अनुमान लगाया है। उत्तरी कोलकाता के अहिरीटोला में बुधवार सुबह एक जर्जर इमारत के गिरने से एक बच्चे और उसकी मां समेत छह लोग फंस गए। फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और दो लोगों को बचाया, लेकिन चार और लोगों के अंदर होने की आशंका है। बाकी लोगों को बचाने के लिए आपदा प्रबंधन टीम कड़ी मेहनत कर रही है। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा राज्य मंत्री सुजीत बसु मौके पर पहुंचे और व्यक्तिगत रूप से बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए, बसु ने कहा, दो लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन कुछ और लोग हैं जो अंदर फंसे हुए हैं। हमें पहले उन्हें बचाने और अस्पताल भेजने की जरूरत है। इस बीच, आधीरात से तेज हवा के साथ लगातार बारिश ने शहर के अधिकांश हिस्सों में पानी भर दिया है, जिससे लोगों को काम पर जाने के लिए एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली नगर निगम चुनाव से पहले बीजेपी 2,500 विस्तारक को करेगी तैनात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले 15 साल से सत्ता पर काबिज भाजपा सत्ता विरोधी लहर को मात देने के लिए जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए 2500 विस्तारक को तैनात करेगी। लोगों के बीच पार्टी की स्थिति को मजबूत करने के लिए ये विस्तारक प्रत्येक नगरपालिका वार्ड में एक महीने तक रोजाना सात से आठ घंटे बिताएंगे। दिल्ली के तीन नगर निगमों (एमसीडी) के चुनाव अगले साल होने वाले हैं। दिल्ली भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि पार्टी जमीनी स्तर पर पार्टी को विस्तार और मजबूत करने और पार्टी में नए सदस्यों को जोड़ने के लिए विस्तारक कार्यक्रम शुरू कर रही है। योजना के तहत सात से 10 विस्तारकों के समूह को नगर निगम वार्ड की जिम्मेदारी दी जाएगी और वे एक माह तक प्रतिदिन सात से 10 घंटे अपने निर्धारित क्षेत्रों में बिताएंगे। तीनों नगर निगमों में 272 नगर पालिका वार्ड हैं। भाजपा दिल्ली के एक पदाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में विस्तारक कार्यक्रम एक महीने के लिए अक्टूबर में शुरू किया जाएगा और लॉन्च की तारीख एक दो दिनों में तय की जाएगी। जानकारी के अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष पार्टी की स्थानीय इकाई द्वारा चुने गए इन 2,500 विस्तारक के साथ एक संवादात्मक और प्रेरक सत्र आयोजित करेंगे।

बिहार में कांग्रेस का चेहरा बनेंगे कन्हैया!

पटना। वामपंथी विचारधारा छोड़कर छात्र नेता कन्हैया कुमार के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद से ही यह कयास लगाए जाने लगे हैं कि कांग्रेस बिहार में कन्हैया को चेहरा बनाएगी। हालांकि माना यह भी जा रहा है कि वामपंथी विचारधारा से आने वाले कन्हैया के लिए यह राह आसान नहीं है। कन्हैया ने दिल्ली में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस नहीं तो देश भी नहीं। ऐसे में कन्हैया यह साफ संदेश दे दिया है कि वे कांग्रेस की खोई हुई जमीन वापस लाने के लिए मशक्कत करेंगे। बिहार की स्थिति को देखे तो पिछले कई सालों से कांग्रेस यहां अपने सहयोगियों की वैशाखी के सहारे राजनीति करती रही है, ऐसे में सवर्ण जाति से आने वाले कन्हैया जैसे युवा चेहरे को सामने लाकर पार्टी जहां विरोधियों बल्कि सहयोगियों पर भी दबाव बना सकेगी। सूत्र बताते हैं कि कन्हैया को कांग्रेस में लाने में बिहार के कांग्रेसी नेता शकील अहमद की बड़ी भूमिका मानी जा रही है। वैसे, कांग्रेस अभी तक कन्हैया को कोई जिम्मेदारी देने की अधिकारिक घोषणा नहीं की है। पिछले दो महीने से बिहार कांग्रेस अध्यक्ष के बदलाव की चर्चा जोरों पर है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि बिहार प्रभारी भक्त चरण दास ने कांग्रेस आलाकमान को प्रदेश अध्यक्ष को लेकर एक नाम सुझाया भी है, लेकिन अब तक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में कन्हैया को बिहार कांग्रेस की जिम्मेदारी मिल जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी भारतीय लोगों के आपसी संबंधों को तोड़ रहे हैं: राहुल गांधी

मलप्पुरम (केरल)। (एजेंसी)।

केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोगों के बीच के संबंधों को तोड़ने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि इससे भारत की भावना 'बिखरती' जा रही है। राहुल एक दिन के लिए केरल आए हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि यह दावा करना प्रधानमंत्री का ''अहंकार'' है कि कोई और नहीं, बल्कि सिर्फ वही (प्रधानमंत्री मोदी ही) भारत को जानते व समझते हैं, खासकर जब वह (मोदी) विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों की संस्कृति, भाषा, जीवनशैली तथा लोगों की समस्याओं को जाने-बूझे बगैर ही दावे करते हैं।

केरल के मलप्पुरम जिले में एक डायलायसिस केंद्र का उद्घाटन करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भारत महज एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह यहां रहने वाले लोगों और एकदूसरे के साथ उनके आपसी संबंध हैं। उन्होंने कहा , ''प्रधानमंत्री से मेरी समस्या यह है कि वह इन संबंधों को तोड़ रहे हैं। यदि वह भारत के लोगों के बीच के संबंध तोड़ रहे हैं, तो वह भारत की भावना में बिखराव ला रहे हैं। यही कारण है कि मैं उनके खिलाफ हूं।'' राहुल ने कहा, ''जब भी वह (प्रधानमंत्री) इस तानेबाने को तोड़ते हैं, तब लोगों के बीच संबंधों को दुरूस्त करना मेरा दायित्व है। जब भी वह इन संबंधों को तोड़ने के लिए नफरत का इस्तेमाल करते हैं, तब प्रेम एवं करूणा से उसे दुरूस्त करना मेरा दायित्व है।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि वह देश की विभिन्न संस्कृतियों, विचारों और धर्मों को समझे बगैर उनके बीच सेतु नहीं बना सकते और उसके लिए व्यक्ति को पूरी नम्रता एवं चीजों को समझने की इच्छा के साथ विभिन्न राज्यों एवं देश के धर्मस्थलों की यात्रा करने की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, ''यदि मैं अहंकार के साथ इन स्थानों पर जाता हूं तो मैं अज्ञानी हूं। कैसे मैं, हजारों वर्षों के इतिहास वाले केरल एवं तमिलनाडु के लोगों के पास जाकर दावा कर सकता हूं कि मैं उन्हें जानता हूं। मुझे उनके पास नम्रता से जाना होगा। अन्यथा मैं कैसे परिभाषित कर सकता हूं कि भारत क्या है?'' उन्होंने कहा, '' उस व्यक्ति के अहंकार की कल्पना कीजिए, जो दावा करता है- मैं जानता हूं कि भारत क्या है। मैं जानता हूं कि केरल के लोगों की जरूरत क्या है। मुझे पता है कि तमिलनाडु के लोगों की जरूरत क्या है। ऐसे व्यक्ति के अहंकार के बारे में कल्पना कीजिए, जो दावा करता है कि सिर्फ उसे ही पता है कि भारत क्या है और भारत के लोगों की जरूरत क्या है। यह दूसरी समस्या है, जो मुझे प्रधानमंत्री से है। उन्होंने तो मान ही लिया है कि उनकी तरह कोई और इस धरती को नहीं समझता।

कक्षा 5वीं से 12वीं के पाठ्यक्रम में शामिल होगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शिक्षाएं!

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में पांचवीं से 12वीं कक्षा तक के पाठ्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शिक्षाओं को शामिल करने का फैसला किया है। राज्य के जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को यहां बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर छत्तीसगढ़ में अब नयी पीढी को महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षाओं से जोड़ा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि गांधीजी के आदर्शों और सिद्धांतों से बच्चों को अवगत कराने के लिए इन शिक्षाओं को पांचवी से 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बघेल ने इसके लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि बच्चों के संपूर्ण विकास के साथ आत्मनिर्भर बनाने वाली शिक्षा का प्रबंध राज्य शासन द्वारा सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि गांधीजी के आत्मनिर्भर ग्राम की कल्पना को पूरा करने के लिए राज्य में स्कूली बच्चों को गांव का भ्रमण कराकर सरकार की महत्वकांक्षी सुराजी गांव योजना के तहत नरवा, गरूवा, घुरूवा और बाड़ी के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इससे स्कूली बच्चों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ-साथ जल संरक्षण और मृदा संरक्षण जैसे विषयों पर जानकारी मिल सकेगी और आत्मनिर्भर ग्राम की कल्पना को साकार करने में मदद मिलेगी।

पंजाब कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल, बोले- इन लोगों ने सरकार को बना दिया तमाशा, दागियों को तुरंत हटाएं चन्नी

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर केजरीवाल का दौरा काफी अहम माना जा रहा है और उन्होंने मोहाली पहुंचते ही यह भी साफ कर दिया कि गुरुवार को अहम घोषणा हो सकती है। माना जा रहा है कि केजरीवाल पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री उम्मीदवार का ऐलान कर सकते हैं।

सरकार को बना दिया तमाशा

इसी बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पंजाब के नवनियुक्त मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस वक्त पंजाब में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां सत्ता की गंदी लड़ाई चल रही है लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि वे अपनी समस्याएं लेकर कहां जाएं। इन लोगों ने सरकार को तमाशा बना दिया है। समाचार एजेंसी के मुताबिक मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अब आम आदमी पार्टी ही पंजाब को एक स्थिर, अच्छी और ईमानदार सरकार दे सकती है। विधानसभा चुनाव में केवल 4 महीने रह गए हैं। 4 महीने बाद जब चुनाव होंगे तब आप पंजाब में स्थिर और ईमानदार सरकार देगी।

दागी लोगों को तुरंत हटाया जाए

उन्होंने कहा कि मैं चरणजीत सिंह चन्नी से निवेदन करता हूं कि वे जितने दागी मंत्री, विधायक और अफसर हैं, उनको तुरंत हटाएं। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएं। जो वादे कैप्टन अमरिंदर सिंह ने किए थे उन वादों को चरणजीत सिंह चन्नी पूरा करें। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि बरगाड़ी मामले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करें। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि सभी किसानों के लोन माफ करेंगे, चरणजीत सिंह चन्नी किसानों के लोन माफ करें। हम पंजाब में ऐसा मुख्यमंत्री देंगे, जिस पर आप सब को गर्व होगा।

सपा, बसपा और कांग्रेस पर बरसे योगी आदित्यनाथ, कहा- विकास उन सब का एजेंडा नहीं

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बाराबंकी में थे जहां उन्होंने समाजवादी पार्टी, बहुजन पार्टी और कांग्रेस पर जनकर निशाना साधा। योगी ने साफ तौर पर कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस की कभी विकास में रुचि नहीं रही है। विकास उन सब का एजेंडा नहीं है। विकास की योजनाएं घर-घर पहुंचे, इसके बारे में वो सोचते तक नहीं थे। इसलिए ऐसे लोगों से उम्मीद भी नहीं की जा सकती है। योगी ने कहा कि अपराधी कोई भी होगा तो उसकी जाति, मजहब, क्षेत्र और भाषा नहीं पूछी जाएगी। अगर अपराध किया है, तो कानून के दायरे में लाकर उसे सख्त सजा दी जाएगी।

योगी का दावा

योगी ने यहां विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उदघाटन करते हुए कहा कि आने वाले समय में बाराबंकी जलि में विकास की ढेरों परिजोयनाएं आएंगी। बाराबंकी के नौजवानों को पलायन नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज यहां लगभग 150 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है। यहां ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बिस्किट और बेकरी निर्माण की इकाई का शिलान्यास कार्यक्रम भी संपन्न हुआ है, जिसकी लागत 340 करोड़ रुपए है। योगी इन दिनों लगतार प्रदेश का दौरा कर रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में 4,50,000 लोगों को सरकारी नौकरी मिली है। इसी दौरान निजी क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करते हुए 1,61,00,000 नौजवानों को नौकरी से जोड़ा है। आज प्रदेश में बिना सिफारिश के नौकरी मिलती है।

स्वतंत्र देव सिंह ने क्या कहा

वहीं प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा के वंशवाद ने इस प्रदेश को लूटने का काम किया है। सैफई खानदान ने इस राज्य को लूटने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 'हिंदू आतंकवाद' नाम का नया शब्द देने का काम किया। राम के असितत्व को नकारा, कहा रामसेतु नाम की कोई चीज नहीं है। लेकिन योगी जी की सरकार आने के बाद कांवड यात्रियों पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए जाते हैं।

निषाद-कश्यप आरक्षण के मुद्दे पर प्रियंका गाँधी से मिले कुँवर सिंह निषाद

लखनऊ। निषाद आरक्षण के मुद्दे पर अनुसूचित जाति की मांग को लेकर निषाद, कश्यप, बिंद समाज सर्वदलीय निषाद कश्यप यूनियन के बैनर तले पूरे उत्तर प्रदेश में आरक्षण अधिकार यात्रा निकालने वाले निषाद समाज के नेता कुंवर सिंह निषाद ने बुधवार दिनांक 29 सितंबर 2021 को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी के बुलावे पर लखनऊ में मुलाकात की। सर्वदलीय निषाद कश्यप यूनियन की ओर से बयान जारी कर कहा गया है यह निषादों के आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गाँधी के साथ यह एक शिष्टाचार भेंट थी निषाद आरक्षण के मुद्दे पर सकारात्मक बातचीत हुई है, भाजपा सरकार निषादों को किये गये आरक्षण के वादे से मुकर रही है निषाद आरक्षण भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र का हिस्सा रहा है यदि भाजपा अपने वादे से मुकरती है तो निषाद कश्यप समाज समाज का आक्रोश भाजपा सरकार पर बहुत भारी पड़ेगा, हम अपने संकल्प पर कायम हैं जो आरक्षण देगा वो वोट लेगा आरक्षण नहीं तो वोट भी नहीं इस बात को भी सरकार को समझ लेना चाहिये।

जिन बिंदुओं पर चर्चा में जो प्रियंका गाँधी ने कहा वो इस प्रकार है ।

1. निषाद आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस चुनाव घोषणा पत्र का हिस्सा रहेगा, कांग्रेस की सरकार बनने पर पहली ही कैबिनेट बैठक में निषाद कश्यप बिंद समाज को आरक्षण की घोषणा की जाएगी

2. वाराणसी में अपने आरक्षण हक के लिये निषाद कश्यप समाज के ऊपर योगी सरकार द्वारा लाठीचार्ज करना और झूठे मुकदमे लगाकर फंसाना बहुत ही निंदनीय है घटना है, वाराणसी में निषादों के ऊपर लगे मुकदमे अब कांग्रेस पार्टी लड़ेगी।

3. सर्वदलीय निषाद कश्यप यूनियन की आरक्षण अधिकार यात्रा को कांग्रेस पार्टी पूरे उत्तरप्रदेश में समर्थन करेगी।

ज्ञात रहे कि यूनियन के संयोजक कुंवर सिंह निषाद पहले भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव रह चुके हैं निषाद आरक्षण के मुद्दे पर कुँवर ने भाजपा से स्तीफा दे दिया था, कुँवर सिंह निषाद के नेतृत्व में 11 जुलाई को मथुरा से आरक्षण पदयात्रा का आरंभ हुआ था, वाराणसी में यात्रा निकालने को लेकर पुलिस के साथ टकराव और मारपीट हुई थी जिसमें 11लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था, वाराणसी प्रकरण के बाद से ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुँवर निषाद के संपर्क में थे। यूनियन को प्रदेशभर में निषाद कश्यप बिंद समाज का जोरदार समर्थन मिल रहा है।

यूपी सरकार का गंगा को साफ करने का नया प्लान तैयार

लखनऊ (एजेंसी)।

गंगा को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के एक अन्य प्रयास में उत्तर प्रदेश सरकार नमामि गंगे अभियान के तहत नदी में पशुपालन की प्रथा शुरू करेगी। मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न प्रजातियों की लगभग 15 लाख मछलियों को नदी में छोड़ने की कार्ययोजना बनाई गई है। इससे नदी में जैव विविधता को बनाए रखने और संरक्षित करने में मदद मिलेगी और नमामि गंगे अभियान के तहत इसकी सफाई सुनिश्चित होगी।

इन मछलियों को पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक के करीब 12 जिलों में छोड़ा जाएगा। ये जिले गाजीपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, कानपुर, हरदोई, बहराइच, बुलंदशहर, अमरोहा और बिजनौर हैं। वाराणसी और गाजीपुर जिलों से गंगा में लगभग 1.5-1.5 लाख मछलियां छोड़ी जाएंगी। नदी की सफाई सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकार ने नमामि गंगे अभियान के तहत गंगा में सीवेज के प्रवाह को खत्म करने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का भी निर्माण किया है। नदी के किनारे प्रदूषण की निगरानी के लिए सरकार ने गंगा टास्क फोर्स भी तैनात किया है। नमामि गंगे के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि नदी पालन की प्रथा गंगा की सफाई और भूजल के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का एक हिस्सा है। मत्स्य पालन विभाग के उप निदेशक एन.एस. रहमानी ने कहा कि प्रदूषण को नियंत्रित करने और नदी में समुद्री जीवन को बेहतर बनाने के लिए नदी पालन की गतिविधि का भी उपयोग किया जाता है। इस गतिविधि में विभिन्न प्रजातियों की मछलियां नदी में छोड़ी जाती हैं, जो नाइट्रोजन के स्तर को बढ़ाने वाले कारकों को नष्ट कर देती हैं। ये मछलियां नदी की सफाई बनाए रखने में भी मदद करेंगी, क्योंकि वे जैविक अवशेषों पर भोजन करती हैं। उन्होंने कहा कि गंगा में अत्यधिक मछली पकड़ने और प्रदूषण के कारण मछलियों की आबादी भी कम हो रही है। रहमानी ने आगे बताया कि लगभग 4,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में मौजूद लगभग 1500 किलोग्राम मछली लगभग 1 मिलीग्राम प्रति लीटर नाइट्रोजन कचरे को नियंत्रित करती है। इसलिए, सरकार ने नदी में अतिरिक्त नाइट्रोजन को नियंत्रित करने के लिए लगभग 15 लाख मछलियों को गंगा में छोड़ने का फैसला किया है। यदि नाइट्रोजन 100 मिलीग्राम प्रति लीटर या अधिक से अधिक है, तो यह नदी की मछली विविधता के लिए अत्यधिक हानिकारक हो जाती है।

कांग्रेस में महत्वाकांक्षा की लड़ाई, राहुल गांधी की नाकामी छुपाने में जुटे नेता: संबित पात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में जारी उथल-पुथल को लेकर भाजपा की ओर से कांग्रेस पर आज जबरदस्त तरीके से निशाना साधा गया है। भाजपा ने पंजाब की राजनीतिक स्थिति को चिंताजनक करार देते हुए राहुल गांधी पर जबरदस्त हमला किया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि हम सभी ये देख रहे हैं कि पंजाब में किस प्रकार की स्थिति है। जो राजनीतिक सरगर्मियां वहां चल रही हैं, वो वास्तविक रूप में चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि क्योंकि पंजाब एक बॉर्डर का राज्य है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पंजाब में स्थिरता रहना बहुत अनिवार्य और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि जिस तरह से कांग्रेस की राजनीति है उसमें अस्थिरता साफ तौर पर दिखाई दे रही है। आज अस्थिरता कांग्रेस पार्टी का पर्यायवाची शब्द बन चुका है।

राहुल पर निशाना साधते हुए संबित पात्रा ने आगे कहा कि इन सारे विषयों में एक बात सामने आती है और वह यह है कि राहुल गांधी की असाधारण असफलता और उनकी इस असफलता को छिपाने के लिए कांग्रेस ने जिस प्रकार से पत्रकारिता और पत्रकारों पर हमला करना शुरू किया है, यह दुःखद, सोचनीय और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी यह सोच रहे थे कि वह पंजाब में समस्या का हल कर चुके हैं और इसलिए वह छुट्टी मनाने चले गए थे। लेकिन जिस तरीके से नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी के बीच जो सिर फुटव्वल हुआ है वह आज देश से छुपा नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस में महत्वाकांक्षा की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोई भी नेता पंजाब के बारे में नहीं सोच रहा वे सभी अपने अपने बारे में ही सोच रहे हैं।

पात्रा ने भूपेश बघेल पर भी हमला किया और कहा कि फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन की दुहाई देने वाले आज धमकाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि किसी महिला पत्रकार के घर धावा बोल देना, किसी पत्रकारिता संस्थान के धावा बोल देना, क्या यह फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन है? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर किसी ने हिंदुस्तान की राजनीति में सबसे ज्यादा गाली गलौज वाली पॉलिटिक्स की है तो वह नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस ने की है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राहुल गांधी ने खुद कहा था कि प्रधानमंत्री को डंडे से मारा जाएगा। मैं आज हक्क और एडीटर्स गिल्ड से भी ये निवेदन करना चाहूंगा कि एक महिला पत्रकार पर हमला करना और उनको धमकी देना उचित नहीं है। इस पर सवाल उठना अनिवार्य है।

सार समाचार

भारत के इस कदम की अमेरिकी सांसद ने की सराहना, हिंद-प्रशांत और दुनिया के लिए बताया अहम कदम

वाशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर जिम रिश ने कोविड-19 रोधी टीकों का निर्यात पुन- शुरू करने के भारत के निर्णय की सराहना की है। सीनेट की विदेश मामलों की समिति के 'रैंकिंग' सदस्य रिश ने भारत से अपील भी की कि वह इन टीकों का उत्पादन बढ़ाए, ताकि उसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं पूरी हो सकें। रिश ने ट्वीट किया, '' मैं भारत की इस घोषणा का स्वागत करता हूं कि वह कोविड-19 रोधी टीकों का निर्यात पुन- शुरू करेगा।'' उन्होंने कहा, '' मैं भारत को 'कोवैक्स' के और अन्य वाणिज्यिक ऑर्डर पूरे करने के लिए उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, जो पूरे हिंद-प्रशांत और दुनिया के लिए अहम है।

जॉनसन ने कहा कि ब्रिटेन में ईंधन संकट में सुधार आ रहा है

प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को ब्रिटेन की जनता को आश्वस्त करने की कोशिश करते हुए कहा कि देश में ईंधन आपूर्ति संकट की स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि उनकी सरकार ने कहा कि स्थिति सामान्य होने में कुछ समय लगेगा। जॉनसन की सरकार ने गैसोलीन का वितरण करने और ईंधन की कमी को कम करने में मदद करने के लिए सैनिकों को तैयार रहने के लिए कहा है। यह संकट ट्रक चालकों की कमी की वजह से उत्पन्न हुआ है और सैकड़ों ईंधन स्टेशनों में गैस खत्म हो गई। लोगों को गैस के लिए लंबी लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा। जॉनसन ने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा, 5अब हम स्थिति में सुधार देख रहे हैं। स्थिति स्थिर हो रही है, लोगों को आश्वस्त होना चाहिए और सामान्य तरीके से अपने व्यवसाय पर जाना चाहिए।5 पेट्रोल रिटेलर्स एसोसिएशन ने भी कहा कि इस बात के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं कि ईंधन संकट समाप्त हो रहा है।

फुमियो किशिदा ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की

टोक्यो। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के फुमियो किशिदा ने बुधवार को जापान के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की। समाचार एजेंसी ने सूचना दी कि एलडीपी के नेतृत्व वाला गठबंधन जापान में संसद के दोनों सदनों में बहुमत का गठन करता है। नए पार्टी अध्यक्ष का 4 अक्टूबर को होने वाले असाधारण सत्र में प्रधानमंत्री चुने जाना लगभग निश्चित है, जो कि मौजूदा योशीहिदे सुगा के उत्तराधिकारी हैं।

अमेरिकी सीनेटरों ने तालिबान की जीत में पाकिस्तान की भूमिका की जांच की मांग की

नई दिल्ली। रिपब्लिकन सीनेटरों ने अमेरिकी सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें अफगानिस्तान में तालिबान की जीत और अशरफ गनी के नेतृत्व वाले शासन को खदेड़ने में मदद करने वालों पर प्रतिबंध लगाने को लेकर गहरी जांच की मांग की गई है। जियो टीवी ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि विधेयक (बिल) 2001 और 2020 के बीच तालिबान के लिए पाकिस्तान सरकार सहित राष्ट्र और गैर-राष्ट्र एक्टर्स द्वारा समर्थन, अभयारण्य स्थान, वित्तीय सहायता, खुफिया सहायता, रसद और चिकित्सा सहायता, प्रशिक्षण, उपकरण, सामरिक, परिचालन या रणनीतिक दिशा आदि के प्रावधान का मूल्यांकन चाहता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान काउंटर टेररिज्म, ओवरसाइट, एंड एकाउंटेबिलिटी एक्ट एक टास्क फोर्स की स्थापना करना चाहता है, जो अमेरिकी नागरिकों, कानूनी स्थायी निवासियों और अफगानिस्तान से विशेष अप्रवासी वीजा धारकों की निरंतर निकासी पर ध्यान केंद्रित करेगा। 22 अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटरों द्वारा पेश किया गया, बिल अफगान वापसी से संबंधित मुद्दों से निपटने का प्रयास करने के लिए है, जैसे कि आतंकवाद विरोधी रणनीति और देश में कथित मानवाधिकारों के हनन के लिए तालिबान को मंजूरी देना।

जापान की एलडीपी नेतृत्व की दौड़ जीतने के बाद किशिदा ने एकजुट होने का किया आह्वान

टोक्यो। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के चुनाव जीतने के बाद फुमियो किशिदा ने बुधवार को प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा की जगह ली और एलडीपी की एकजुटता का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2012 से 2017 तक देश के पूर्व विदेश मंत्री के रूप में कार्य करने वाले किशिदा ने अपने दावेदार वैक्सीन मंत्री तारो कोनो पर जीत हासिल करने के लिए 257 वोट हासिल किए, जबकि उन्हें 170 वोट मिले। चुनाव के बाद एलडीपी सांसदों की एक बैठक में, किशिदा ने एकजुटता का आह्वान किया है, क्योंकि वह नवंबर में होने वाले आम चुनाव और अगले साल ऊपरी सदन के पार्षदों के चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। किशिदा ने कहा कि उनकी सरकार को कोविड -19 महामारी के आर्थिक नतीजों को कम करने के लिए साल के अंत से पहले एक योजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने पिछले प्रशासन की नवउदारवादी नीतियों को बदलने का भी वादा किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आम लोग विकास का लाभ उठा सकें। दोपहर में राष्ट्रपति चुनाव में, एलडीपी सांसदों ने पहले दौर के मतदान में 382 वोट डाले और अन्य 382 वोट रैंक-एंड-फाइल सदस्यों को आवंटित किए गए। एलडीपी सांसदों के वोटों में एक प्रमुख लाभ के साथ, किशिदा को पार्टी के नए नेता के रूप में चुना गया। दो महिला उम्मीदवार, पूर्व संचार मंत्री, साने ताकाची और एलडीपी के कार्यकारी कार्यवाहक महासचिव, सेको नोडा, दोपहर में पहले दौर के मतदान में हार गए थे। चूंकि एलडीपी के नेतृत्व वाला गठबंधन जापान में संसद के दोनों सदनों में बहुमत का गठन करता है।

दक्षिण कोरिया, चीन के राजदूतों ने उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण पर चर्चा की

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया के मुख्य परमाणु वार्ताकार नोह क्यू-डुक ने बुधवार को अपने चीनी समकक्ष के साथ वीडियो वार्ता की और उत्तर कोरिया के नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण और हालिया बयानों पर चर्चा की।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, नोह की बातचीत कोरियाई प्रायद्वीप मामलों पर बीजिंग के विशेष प्रतिनिधि लियू श्याओमिंग के साथ हुई, जिसके एक दिन बाद उत्तर ने एक हाइपरसोनिक मिसाइल का पूर्वी सागर में परीक्षण किया। प्योंगयांग ने इटर-कोरियाई संबंधों में सुधार करने और यहां तक कि सियोल के साथ एक शिखर सम्मेलन पर चर्चा करने की इच्छा व्यक्त करने के कुछ दिनों बाद ही गोलीबारी की, इस शर्त पर कि दक्षिण शासन के खिलाफ अपने दोहरे मापदंड और शत्रुतापूर्ण रवैये को छोड़ देगा।

मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में वार्ता के दौरान कहा, नोह ने प्योंगयांग को वार्ता में वापस लाने के प्रयासों में चीन की रचनात्मक भूमिका के लिए कहा, क्योंकि उन्होंने प्रायद्वीप की स्थिति के स्थिर प्रबंधन और वार्ता को फिर से शुरू करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। मंत्रालय के अनुसार, लियू ने कोरियाई प्रायद्वीप के लिए शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग करने के लिए बीजिंग की इच्छा की पुष्टि की। दोनों ने चर्चा जारी रखने के लिए जल्द से जल्द व्यक्तिगत रूप से मिलने पर भी सहमति जताई। मंगलवार को नोह ने अपने अमेरिकी समकक्ष सुंग किम से भी फोन पर बात की और उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण पर चर्चा की। नोह गुरुवार को किम के साथ बातचीत के लिए दिन में बाद में इंडोनेशिया के लिए रवाना होने वाले हैं।

परमाणु निरस्त्रीकरण का लक्ष्य चरणबद्ध तरीके से ही प्राप्त किया जा सकता है : श्रृंगला

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को पहले परमाणु हथियार उपयोग नहीं करने और गैर-परमाणु हथियार वाले देशों के खिलाफ इनका इस्तेमाल नहीं करने के अपने सिद्धांत की पुष्टि की और संयुक्त राष्ट्र को बताया कि परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य को चरणबद्ध तरीके से सार्वभौमिक प्रतिबद्धता और एक सहमत बहुपक्षीय ढांचे के जरिए हासिल किया जा सकता है जोकि वैश्विक और गैर-भेदभावपूर्ण है। परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि भारत इस अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर उच्च स्तरीय बैठक बुलाने का स्वागत करता है। श्रृंगला ने कहा, भारत सार्वभौमिक, गैर-भेदभावपूर्ण और सत्यापन योग्य परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है ताकि परमाणु हथियारों का पूर्ण उन्मूलन हो सके।

अफगानिस्तान में 2,500 बलों को मौजूद रखे जाने की थी सिफारिश, क्यों नहीं माने जो बाइडेन?

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

शीर्ष अमेरिकी जनरलों ने सांसदों को मंगलवार को बताया कि उन्होंने अफगानिस्तान में 2,500 बलों को मौजूद रखे जाने की सिफारिश की थी, लेकिन देश के राष्ट्रपति जो बाइडन सहमत नहीं हुए। व्हाइट हाउस ने बाइडन के इस फैसले का बचाव किया और स्वीकार किया कि इस मामले को लेकर बाइडन के सलाहकारों एवं जनरलों के बीच दोराय थीं। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, यूएस ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले और यूएस सेंट्रल कमान के कमांडर जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को बताया कि पेंटागन ने अफगानिस्तान से बलों की वापसी के बाद भी वहां 2,500 अमेरिकी सैनिकों को रखने की आवश्यकता के बारे में बाइडन से सिफारिश की थी। मैकेंजी ने सीनेटरों से कहा, '' मैं आपको अपनी राय ईमानदारी से दूंगा और मेरी राय एवं विचार ने ही मेरी सिफारिश को आकार दिया। मैंने सिफारिश की थी कि हम अफगानिस्तान में 2,500 बलों को मौजूद रखें और मैंने 2020 में भी सिफारिश की थी कि हम उस समय 4,500 बलों को मौजूद रखें। ये मेरे निजी विचार थे।'' मिले ने सांसदों से कहा कि वह भी अफगानिस्तान में 2,500 बलों को तैनात रखने की सिफारिश से सहमत थे।

सीनेटरों ने अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के तरीके को लेकर पेंटागन के शीर्ष नेतृत्व से जब सवाल किए, तो ऑस्टिन ने कहा, ''उनकी (अमेरिकी जनरलों की) बात पर राष्ट्रपति ने गौर किया था।'' उन्होंने कहा, '' मैं संतुष्ट हूं कि हमने नीति की पूर्ण समीक्षा की थी और मेरा मानना है कि सभी पक्षों को अपने विचार रखने का अवसर दिया गया था।'' व्हाइट हाउस ने इस संबंध में राष्ट्रपति के फैसले का बचाव किया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' इस मामले में कई तरह के दृष्टिकोण थे, जैसा कि आज हमें उनकी गवाही से पता भी चला। ये विचार राष्ट्रपति और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के समक्ष रखे गए थे। राष्ट्रपति ने ही उनसे अपने विचार स्पष्ट रूप से रखने को कहा था।'' उन्होंने कहा, '' यह भी स्पष्ट था कि यह सिफारिश दीर्घकाल के लिए नहीं थी और बलों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पड़ती। इसका यह भी अर्थ होता कि तालिबान के साथ युद्ध होता और इससे बड़ी संख्या में लोग हताहत होते। राष्ट्रपति ऐसा फैसला नहीं करना चाहते थे।'' प्रेस सचिव ने कहा, '' उन्हें नहीं लगा कि यह अमेरिकी लोगों या हमारे बलों के हित में होता।

तालिबान सरकार को नहीं मिल रही अंतरराष्ट्रीय मान्यता! पाकिस्तान की बढ़ी मुश्किलें

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता न मिलने के कारण पाकिस्तान अफगानिस्तान को तकनीकी, वित्तीय और विशेषज्ञ सहयोग मुहैया कराने में मुश्किलों का सामना कर रहा है। मीडिया में आयी एक खबर में बुधवार को यह कहा गया। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, मंगलवार को आर्थिक मामलों के मंत्री उमर अय्यूब खान की अध्यक्षता वाली एक बैठक में नए अफगान प्रशासन को सहयोग देने के विभिन्न विकल्पों पर विचार किया गया। यह बैठक उन खबरों के बीच हुई कि युद्धग्रस्त देश गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहा है। लेकिन मुख्य चुनौती यह है कि अफगान सरकार को विश्व द्वारा मान्यता दिए बगैर यह कैसे किया जाए। अफगानिस्तान के साथ आर्थिक सहयोग पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सैयद फखर इमाम, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ, पाकिस्तान स्टेट बैंक के गवर्नर डॉ. रजा बाकिर, जल एवं बिजली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मुजम्मिल हुसैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

विश्वस्त सूत्रों ने अखबार को बताया कि बैठक में कहा गया कि अफगान सरकार के लिए बड़ी चुनौती अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के तुरंत बाद बड़ी संख्या में तकनीकी और वित्तीय विशेषज्ञों के देश छोड़कर चले जाने से पैदा रिक्तता को भरने की है। प्रमुख संस्थानों खासतौर से तकनीकी और वित्तीय संस्थानों में विशेषज्ञों की कमी से बिजली, मेडिकल और वित्तीय सुविधाएं जैसी आवश्यक सेवाओं का सुचारू रूप से संचालन नहीं हो पा रहा है। अय्यूब ने अफगानिस्तान में मौजूदा हालात के संदर्भ में द्विपक्षीय आर्थिक सहायता पर जोर दिया। मंत्री के हवाले से एक बयान में कहा गया है कि सरकार अफगानिस्तान के लोगों की उनकी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से निपटने में मदद करना चाहती है। उन्होंने कहा, 'अफगान लोगों की जिंदगियों और आजीविकाओं को बचाने के लिए मानवीय आधार पर तत्काल तकनीकी और वित्तीय समर्थन की आवश्यकता है।'

पड़ोसी की जान लेने पर उतारू हुई महिला! गुस्से में पहले दो उंगलियां दांतों से चबाई फिर खा गई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जब इंसान को गुस्सा आता है तो वह अपने होशोहवास तक खो देता है। गुस्से में इंसान मारपीट की कगार तक भी पहुंच जाता है और नुकसान तक पहुंचाता है। ऐसा ही कुछ स्पेन की एक महिला ने किया है। इस महिला ने गुस्से में आकर अपनी ही पड़ोसी की दो उंगलियां चबा डाली। एक खबर के मुताबिक, स्पेन में दो पड़ोसियों के बीच लड़ाई शुरू हुई, इस लड़ाई में एक महिला अपने पड़ोसी से इतनी ज्यादा नाराज थी कि गुस्से में आकर उसने उंगलियां चबा डालीं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या का मामला भी दर्ज कर दिया है। यह लड़ाई बस इस बात पर हुई कि महिला को शक था कि उसकी पड़ोसी जादू-टोना करती है।

इसको लेकर दोनों के बीच बहस हुई फिर हाथापाई शुरू हो गई। द सन की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेन के स्द्र1द्वद्यद्वद्र में रहने वाली 45 साल की महिला को 48 वर्षीय पड़ोसी पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

जादू-टोना का था पड़ोसी को शक

आरोपी ने दातों से दो उंगलियां पहले चबाई फिर उसे खा गई। इस पूरी वारदात को खुद आरोपी की 6 साल की बेटी ने अपनी ही आंखों से देखा। पुलिस को इसकी सूचना स्थानीय निवासियों ने दिया। पुलिस ने बताया कि, जब वह मौके पर पहुंची तो पाया कि आरोपी ने पीड़िता की बहुत बुरी तरह पिटाई की थी। पुलिस ने आगे बताया कि, पड़ोसी को शक था की महिला जादू-टोना करती थी और पानी में नमक मिलाकर उसके घर पर छिड़कती थी। इसी बात को लेकर दोनों की बीच बहसा-बहसी हुई और फिर भारी पत्थर से वार किया। महिला यहीं नहीं रूकी, इसके बाद आरोपित महिला ने गुस्से में दो उंगलियां अपने दांतों से काटीं और उन्हें खा गई। इस समय पीड़िता महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं आरोपी महिला को मानसिक स्थिति के लिए जांच में भेजा है।

पावर ब्लैकआउट अब बीजिंग और शंघाई में शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन ने अब बीजिंग और शंघाई में ब्लैकआउट करना शुरू कर दिया है, जहां 48 मिलियन लोग रहते हैं, क्योंकि देश बिजली की कमी से जूझ रहा है, जिसने अर्थव्यवस्था के लिए एक और खतरे में प्रमुख कारखानों को प्रभावित किया है। इसकी जानकारी निक्केई ने दी। स्टेट ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ चाइना के बीजिंग कार्यालय ने कहा कि वह रविवार से चुनिंदा क्षेत्रों में बिजली की कटौती शुरू कर देगा। बिजली मुख्य रूप से एक बार में कुछ दिन के घंटों के लिए काटी जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि रोलिंग ब्लैकआउट से राजधानी के कम से कम चार जिले प्रभावित होंगे। इनमें जिचेंग और डोंगचेंग शामिल हैं, जिनमें सरकारी एजेंसियां और शीर्ष अधिकारियों के आवास हैं, चाओयांग, जहां कई विदेशी रहते हैं और हैडन, जहां कई तकनीकी कंपनियां स्थित हैं। स्टेट ग्रिड ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मुख्य उद्देश्य नियमित उपकरण रखरखाव और पावर ग्रिड में अपग्रेड करना है। वर्तमान में, राजधानी में पावर ग्रिड में पर्याप्त, स्थिर और व्यवस्थित आपूर्ति है। प्रभावित घरों और व्यवसायों की सही संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। कुछ मीडिया आउटलेट्स ने बताया है कि ब्लैकआउट लगभग 60 ग्रिड सेक्शन में कटौती करते हैं, जिससे 10,000 से अधिक लोग बिना बिजली के रह जाएंगे। बीजिंग की आबादी 22 मिलियन है। अनुसूचित ब्लैकआउट मुख्य रूप से निजी आवासों को लक्षित करते हैं, बड़े पैमाने पर कारखानों को बख्शते हैं। 26 मिलियन लोगों का घर शंघाई, रविवार को भी रोलिंग ब्लैकआउट का संचालन करेगा। राष्ट्रीय बिजली की कमी ने एप्पल और टेस्ला के आपूर्तिकर्ताओं को शंघाई से सटे जिआंगसु प्रांत में परिचालन को निलंबित करने का कारण बना दिया है। निक्केई ने कहा कि ग्वांगडोंग प्रांत में जापानी निर्माताओं द्वारा संचालित फैक्ट्रियां प्रभावित हुई हैं। बिजली की किल्लत का खामियाजा पूर्वोत्तर में चीन का रस्ट बेल्ट क्षेत्र उठा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियाओनिंग प्रांत के एक शहर शेनयांग में ट्रैफिक सिग्नल ने काम करना बंद कर दिया है, जिससे भीड़भाड़ हो गई है। जिलिन प्रांत में, जिलिन सिटी की पानी की आपूर्ति अस्थिर रही है और अधिकारियों ने नागरिकों से पानी का स्टॉक करने का आह्वान किया है।

यूरोपीय देशों में रफ्ता-रफ्ता रफ्तार पकड़ती सेंटर-लेफ्ट पॉलिटिक्स, भारतीय राजनीति में भी दिखेगा बदलाव?

इंदौर। (एजेंसी)।

लंबे वक्त से धरातल पर जा रही राजनीति की एक शैली हालिया कुछ दिनों में छोड़ी राहत महसूस कर रही है। इसके साथ ही उन्हें संभावित वापसी की आस भी जग रही है। 21वीं सदी में पश्चिमी देशों में रूढ़िवादिता, और दक्षिणपंथियों से इतर सेंटर-लेफ्ट पॉलिटिक्स का उभार देखा जाने लगा है। इस महीने सेंटर-लेफ्ट दलों ने नॉर्वे में सत्ता संभाली है और जर्मनी में भी ऐसा ही करने की कगार पर हैं।

इसके साथ ही अमेरिका के व्हाइट हाउस पर उनका कब्जा है हीं इसके अलावा इटली में भी सत्ता साझेदार के रूप में मौजूदगी देखी जा सकती है। सत्तावादी झुकाव वाले हंगरी में विपक्षी आंदोलन का नेतृत्व करते नजर आ रहे हैं। हालांकि इसे सेंटर लेफ्ट नीत राजनीति की वापसी कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन इसे हाल के दिनों में संपन्न कनाडा और जर्मनी के चुनाव के संदर्भ से जोड़ कर देखें तो एक तरह का बदलाव या उसकी आहट साफ नजर आएगी।

यूरोपीय देशों में रफ्ता-रफ्ता रफ्तार पकड़ती राजनीति

जर्मनी की केंद्र-वाम सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) ने मौजूदा कुलपति ओलाफ स्कोल्ज के नेतृत्व में संघीय चुनावों में लगभग 26 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, जो एक नई सरकार की शुरूआत कर सकता है और एंजेला मर्केल युग के अंत का प्रतीक होगा। वहीं कनाडा के लिबरल नेता प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक बार फिर से चुनावी जीत हासिल कर ली। अल्पमत में होने के बावजूद ट्रूडो की लिबरल पार्टी को लेफ्ट की तरफ झुकाव रखने वाले न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी जैसे दलों से नीतियों के आधार पर समर्थन मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा सेंटर लेफ्ट पार्टियां इटली और स्पेन में गठबंधन सरकारों का नेतृत्व कर रही हैं और हंगरी में एक सक्रिय विपक्ष की भूमिका में हैं।

पॉपुलिज्म से मोहभंग की वजह

कोविड ने यूरोप की दक्षिणपंथी पार्टियों को सत्ता से दूर रखने में बड़ी भूमिक निभाई। अधिकांश ने महामारी के दौरान समर्थन में गिरावट दर्ज की। जॉर्जिया विश्वविद्यालय में कैस मुडे और जैकब वोंड्रेस के एक अध्ययन के अनुसार यूरोप के आधे दक्षिणपंथी दलों ने महामारी के तहत अपने समर्थन में गिरावट देखी, जबकि छह में से केवल एक को समर्थन मिला। यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क के एक विद्वान विटोरियो बुफाची का मानना है कि कोविड-19 ने पॉपुलिज्म राजनीति की परतें खोल दी। पश्चिमी देशों पर नजर डालें तो इसे अमेरिका और ब्राजील के संदर्भ में समझ सकते हैं। लॉकडाउन विरोधी और टीका विरोधी भावनाओं ने इन दोनों देशों में चुनाव में पॉपुलिस्ट को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। वहीं कनाडा के संदर्भ में देखें तो अनिवार्य टीकाकरण नीति के वनस्पत कंजरवेटिव का रवैया भी उनके पिछड़ने के एक बड़े कारक के रूप में सामने आया।

लेफ्ट-राईट-सेंटर कॉन्सेप्ट

1789 के साल में फ्रांस की नेशनल एसेंबली के सदस्य संविधान का मसौदा तैयार करने के इरादे से एकट्ठा हुए। 16वें किग लुई को कितना अधिकार मिलना चाहिए इसको लेकर सदस्यों के बीच काफी मतभेद था। सदस्य हो हिस्सों में बंट गए। एक हिस्सा राजशाही के समर्थकों का था और दूसरा राजशाही के विरोध का।। दोनों ने ही अपने बैठने की जगह बांट ली। राजशाही के विरोधी क्रांतिकारी सदस्य पीठासीन अधिकारी की बायीं ओर बैठ गए जबकि राजशाही के समर्थक कंजर्वेटिव सदस्य पीठासीन अधिकारी के दायीं ओर बैठ गए। इस तरह वहां से लेफ्ट विंग और राइट विंग का कॉन्सेप्ट वुजूद में आया। राजनीतिक पार्टियों ने तो बाद में खुद को 'सेंटर लेफ्ट', 'सेंटर राइट', 'एक्सट्रीम लेफ्ट' और 'एक्सट्रीम राइट' के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया।

लेफ्ट से कांग्रेस में कन्हैया

बिहार में सीपीआई की झंडा बुलंद करने ले कन्हैया कांग्रेस की आवाज बन गए। वैसे तो लेफ्ट से कांग्रेस की ओर रुख करने वाले कन्हैया के कदम को वामपंथी दलों ने सियासी महत्वकांक्षी जरूर बताया है लेकिन उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी में शामिल होने का

विकल्प चुना है, इसे भी आने वाले वक्त में छोटे स्तर पर ही सही लेकिन एक राजनीतिक शिफ्ट के रुप में देख सकते हैं। बिहार में कांग्रेस के पास कोई भी युवा चेहरा नहीं है, राज्य में पार्टी अपनी हालत सुधारने के लिए नए चेहरों पर दांव लगाना चाहती है। जानकारों को लगता है कि कन्हैया कुमार के जरिए कांग्रेस की योजना राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर दबाव बनाने की भी है जो अभी तक कांग्रेस के वरिष्ठ सहयोगी की भूमिका निभाती रही है।

संपादकीय

नेतृत्व के नैतिक पहलू - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

एक अच्छा लीडर या नेता होने के लिए यह जानना जरूरी है कि क्या किया जाए और उसे क्यों किया जाए? केवल उत्साह, प्रेरणा, योग्यता, और कामों को सही तरीके से करना ही पर्याप्त नहीं है। यह जानना भी बहुत आवष्यक है कि सही काम आखिर है क्या? इसके लिए जरूरत है नैतिक नेतृत्त्व की। नैतिक नेतृत्त्व के दो मुख्य पहलू हैं: एक अपने सच्चे स्वरूप को जानना और दूसरा मानवजाति की सेवा करना। सच्चे नेता को अपने आप के बारे में जानकारी होनी चाहिए ताकि वह अपने आस-पास या संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के कार्यों को सही दिषा-निर्देष दे और अपने पीछे चलने वालों को भी सही मार्ग-दर्षन प्रदान करे। इस संबंध में महापुरुषों ने सदियों से हमे एक स्पष्ट और सरल संदेष दिया है: "अपने आपको जानो!"

नेतृत्त्व में यह जरूरी है कि "हम कौन हैं?" और "हम क्या करते हैं?" इसका बात का मनन करें। एक नेता की तरह आचरण करने के अलावा हमारे अंदर एक सच्चे नेता के गुण, व्यवहार, और आदतें होना भी जरूरी है। एक सच्चा नेता अपने अस्तित्व की सच्चाई का सामना करने की हिम्मत रखता है। वह अपने उदाहरण द्वारा दूसरों को प्रेरित करता है कि वे भी सच्चाई से जुड़ते हुए प्रभु की आदर्श संतान बन सके । ऐसा नेता अपने हृदय और आत्मा के अंदर झाँकता है, आत्म-विश्लेषण करता है और अपने भीतर की आत्म-षक्ति के संपर्क मे आता है। वह अपनी आत्मा की असीम शक्ति के साथ जुड़ जाता है, तथा चरित्र व इच्छा शक्ति के अद्वितीय बल का प्रदर्षन करता है लेकिन फिर भी उसका व्यवहार बेहद नम्रता और करुणा से भरपूर होता है। सच्चा नेतृत्व केवल एक खास ढंग से आचरण करना ही नहीं है बल्कि सच्चा नेतृत्व तो वो होता है जो हमारी भीतरी सच्चाई का प्रतिबिंब हो।

कई लोग सिर्फ़ जीवन की साधारण दिनचर्या में ही व्यस्त रहते हैं-जागना, तैयार होना, खाना, पैसा कमाने के लिए काम करना, वापस घर आना, और अगले दिन फ़िर इसी दिनचर्या का पालन करना। हमारा पूरा जीवन बड़े होने, नौकरी या व्यवसाय करने, परिवार की देखभाल करने, रिटायर होने, और फिर इस संसार को छोड़कर चले जाने में ही व्यतीत हो जाता है। ऐसी जिंदगी जीते हुए हम सोचने लगते हैं कि क्या यही जीवन है? तब हमें यह समझ में आ जाता है कि कोई उच्चतर शक्ति है जो हमारा मार्गदर्षन कर रही है।

यही आध्यात्मिक शक्ति समस्त नैतिकता, सद्गुणों, ताकत और जीवन का स्रोत है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम उसे क्या कहकर पुकारते हैं-परमात्मा, चेतनता या आत्मा। यह शक्ति हममें से हरेक के भीतर मौजूद है और हमे जान दे रही है। एक बार जब हम इस अनंत आध्यात्मिक शक्ति के संपर्क में आ जाते हैं, तो हमें यह अनु भव हो जाता है कि यह शक्ति सच्चे नेताओं के गुणों का स्रोत है।नेतृत्व का दूसरा पहलू है सेवा। इतिहास के महान व्यक्तियों ने कहा है कि अपने से पहले दूसरों की सेवा करना ही एक सुखी और संतुष्टिपूर्ण जीवन की कुंजी है। एक नेता को सबसे पहले एक सेवक होना चाहिए। दूसरों की सेवा करने से ही हमें उनका नेतृत्त्व करने का अधिकार मिलता है।

सच्चा नेता बनने का अर्थ है, "सच्चा इंसान बनना।" नेतृत्व अतिगहन और निरंतर चलने वाले आत्म-विष्लेषण से ही उत्पन्न होता है। यह व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास और सेवा के प्रति समर्पित जीवन का चयन करना है। यदि हम अपने आंतरिक आध्यात्मिक स्रोत के साथ जुड़ जाएँ तो हम ऐसे नेता बन सकते हैं जिनका जीवन दूसरों को भी प्रेरणा प्रदान करेगा।

वोट की राजनीति और जनता जनार्दन की उदासीन व नकारात्मक सोचवाली मानसिकता

लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था में शासक की पहली इकाई जनता होती है। जनता के वोट के अनुसार ही केंद्र और राज्य में सरकारें बनती है। यह सरकार आम जनता की सहमति से बनती है ।

केंद्र में स्थिर सरकार हो, कार्य करने वाली हो, विकास करने वाली हो तो,इसके के लिए जनता साधुवाद की हकदार होती है । यदि सरकार निकम्मी एवं विकास के प्रति उदासीन राजनीति वाली होती है, मात्र सत्ता में बने रहने की राजनीति करती हो तो, इसके लिए भी जनता ही जिम्मेदार होती हैं ।

क्योंकि लोकतंत्र की शासन व्यवस्था में शासक तंत्र का प्रत्येक व्यक्ति आम जनता की सहमति से सत्ता की कुर्सी पर विराजमान होता है ।हम आम जनता के वोट के माध्यम से शासन में हिस्सेदार होते है। हमारे ही जनप्रतिनिधि के द्वारा, जिसे हमने वोट देकर सरकार बनाने की अनुमति दी है।वो हमारे भाग्यविधाता बन जाते है,और वो भाग्यविधाता हमारे ही वोट से बनते है।उस एक जनप्रतिनिधि में हजारों लोगो की सहमति होती है।

तो फिर?

देश में बेरोजगारी अशिक्षा गरीबी महंगाई भ्रष्टाचार, घूसखोरी , नशाखोरी जैसी सारी समस्याओ की जिम्मेदार सरकार कैसे?? जिम्मेदार तो हम आम जनता ही हुए न ??तो फिर हम इसके लिए हम सरकार को क्यों दोष देते हैं ?गलती तो हम आम जनता की ही हैं?? हमारे ही वोट का परिणाम होता है कोई नेता चुनाव जीतने के बाद अपने क्षेत्र का विकास करता है या नही करता है?

यदि हम आम जनता चुनाव में प्रत्याशी को वोट चुनावी पार्टी के आधार पर वोट देते है, व्यक्ति विशेष को महत्व नही देते है तो,क्षेत्र के विकास पर प्रश्नचिन्ह लग ही जाता है।क्योंकि जरूरी नही की किसी भी पार्टी का प्रत्येक प्रत्याशी कर्मठ हो?

हम आम जनता अपनी रूढ़ीवादि विचारधारा में इस तरह उलझे रहते है कि,राजनीतिक पार्टियों की सच्चाई हमारे सामने होती है ,नेताओ की सच्चाई हमारे सामने होती है मगर ,हम हम आम जनता नेता व राजनीतिक पार्टी के प्रति अंधे बने रहते है । बार बार उन्हे वोट देकर भ्रष्टाचार, पारिवारवाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद, धार्मिक अंधविश्वास की राजनीति करने का मौका देते रहते है क्यों??

हम आम जनता लोकतंत्र के प्रति देश के विकास के प्रति इतने लापरवाह व उदासीन कैसे हो सकते है??

ये जानते हुए भी कि,एक एक वोट देश का भविष्य और विकास तय करती है। हम आम जनता की ही गलती है कि,हमारे देश की राजनीति में परिवारवाद की राजनीति मजे से फलफूल रही है जैसे वे लोग लोकतंत्र के राजा हो?

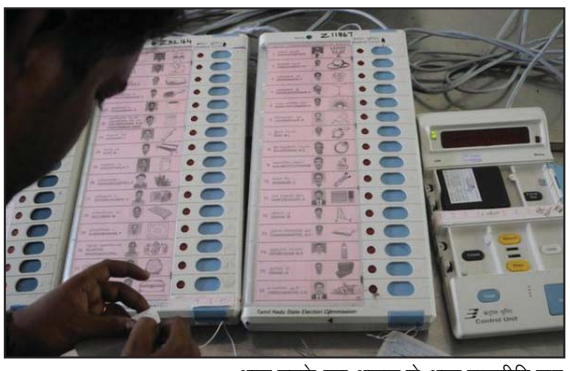

एवं ये जनता को बेवकूफ बनाने में इतने माहिर होते है कि ,जनता हकीकत जानते हुए भी भ्रमजाल से निकल ही नही पाती है। हम जनता चुनाव के समय क्षेत्र विशेष के प्रत्याशी का व्यक्तित्व, उसकी देश के प्रति सेवाभाव एवं विकास करने की ललक को देखकर वोट देगे तो निश्चय ही देश की राजनीति में बदलाव होगा।

किन्तु,?? हम जनता के पास वक्त कहाँ है।हम जनता स्पेशल और व्यस्त लोग है??चुनावी रैली में जाकर भाषण सुनने का वक्त है? बिना जाँच पड़ताल किए वोट देने का वक्त है? किन्तु, चुनाव जीतने के बाद सांसद या बिधायक, अपने क्षेत्र और विकास के प्रति उदासीन व अकर्मण्य है तो, ऐसे नेताओ को खरी खरी दो बातें सुनाने की हिम्मत किसी भी जनता में नही है क्यों ??

हद तो तब होती है जब ऐसे नेता को हम दुबारा वोट देकर सरकार में बने रहने का मौका द देते है।

ऐसे नेता चुनाव जीतने के बाद लोकतंत्र का राजा बन जाता है ?? ये काम करे न करे आम जनता मूक बधीर बन जाती है ,इनसे डरने लगती है कि, कही किसी मुसीबत में ना फसा दे।

लोकतंत्र के इन राजाओ से जनता डरने लगती है एवं लोकतंत्र के ये राजा मन करता तो विकास के कार्य करते है वर्ना, काम करने के डर से विभिन्न योजनाओ का रूपया वापस केन्द्र भेज देते है।

कई सारे लोकतंत्र के राजा का शासनकाल मात्र समय पास करने भर रहा है। उन्होने अपने राज्य में विकास का कोई कार्य नही किया ,विभिन्न योजनाओं का रूपया केन्द्र को वापस कर दिया।उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार और घोटाला चरम पर रहा है, सरकारी नौकरी की वैंकेसी न के बराबर आई।उनके शासनकाल में युवा खस्ताहाल और बेरोजगार रहे,सड़को पर बड़े बड़े गडडे व बिजली ,व्यापार सब ठप रहा है।शिक्षा प्राप्त करने के लिए बच्चों को दूसरे राज्य की ओर कूच करना पड़ता है , रोजगार के लिए भी युवाओं को दर दर भटकना पड़ता है।

आज उनके पुत्र आराम से आज राजनीति कर रहे है। जनता को ये आश्वासन दे रहे है कि,वे पिता के मार्ग पर नही चलेगे । राज्य का विकास करेगे ,जब कि ,इनके पास न शैक्षणिक डिग्री न ,समाज सेवा का कोई रिकार्ड??

फिर भी लोकतंत्र की अंधी जनता इनके आवभगत में लगी है।भला देश का विकास कैसे होगा। राज्य का विकास कैसे होगा??

हम आम जनता ही देश के विकास के रास्ते में रोड़ा बने हुए है??

ऐसा नही कि हमारे देश में पढ़े लिखे ,देश सेवा की भावना रखनेवाले जनप्रतिनिधि की कमी है ।ऐसे ही अच्छे नेताओ के बल पर देश में ,विकास हो रहा है ,शिक्षा का प्रतिशत बढ़ रहा है ।गरीबी कम हो रही है किन्तु ,हम जनता इन नेताओ को भाव कहाँ देते है ,क्योंकि ये हमारी जाति के नही होते ,हमारे क्षेत्र के होते है मगर ,दूसरे समुदाय के होते है आदि आदि??जनता के बेकार बेकार तर्क से देश का विकास प्रभावित हो रहा है।

प्रत्येक व्यक्ति का अपने गृहदेवता, ग्रामदेवता ,स्थान देवता एवं देश के प्रति फर्ज और कर्ज दोनो होता है ,जिसे चुकाना देश के प्रत्येक व्यक्ति का धर्म होता है हर धर्म में इस बात को स्वीकारा है किन्तु, हम आम जनता बिना सोचे समझे वोट देकर फर्ज और कर्ज दोनों से पल्ला झाड़ लेते है।

जबतक हम आम लोगो की मानसिकता नही बदलेगी तबतक देश का विकास बाधित होता रहेगा,विभिन्न प्रकार की समस्या देश में बनी रहेगी।

लेखिका: सुनीता कुमारी पूर्णियाँ ,बिहार

'आज के ट्वीट

बेहतर

जिंदगी की राहों में ऐसा अक्सर होता है,
फैसला जो मुश्किल हो वही बेहतर होता है

-- विवेक बिन्द्रा

जीवन

जग्गी वासुदेव/ आप का आखिरी कदम है तो धीरे मत चलिए। पूरा जोर लगा दीजिए। पहले और आखिरी कदम के बीच कोई अंतर मत रखिए। आप ने शुरुआत में कोई अंतर रखा था तो कम से कम अब सीख लीजिए कि ऐसा नहीं करना है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप को अभी 100 कदम चलने हैं, या बस एक। आप एक ही तरह से चलिए, कोई अंतर मत रखिए। लोग कहते हैं, 'अपने जीवन के, कम से कम अंतिम समय में आपको ईश्वर के बारे में सोचना चाहिए'। लेकिन, यदि आप सारा जीवन एक अंधे की तरह जीते हैं और अब सोचते हैं कि अंतिम क्षणों में राम-राम कहने से सब ठीक हो जाएगा, तो समझ लीजिए कि ऐसा नहीं होता। आपने बीजू पटनायक के बारे में सुना है? ओडिशा के मुख्यमंत्री थे। मुख्यमंत्री रहते हुए, राजनैतिक प्रसिद्धि के बावजूद अपना जीवन अपने ही ढंग से जीते थे। जब मृत्यु शैया पर थे, तब लोग उनके लिए गीता ले आए और उनके सामने उसे पढ़ने की तैयारी करने लगे। तब बीजू ने कहा,'ये सब बकवास बंद करो, मैंने अपना जीवन अच्छी तरह से जिया है'। एक बच्चा पूरी तरह से खेल में व्यस्त रहता है, आप उससे अंतिम सत्य के बारे में बात नहीं कर सकते। युवा पूरी तरह से हार्मोन्स के शिकंजे में होते हैं, उनसे भी आप ये बातें नहीं कर सकते। बूढ़े लोग बस इस चिंता में लगे रहते हैं कि वे स्वर्ग में कहां होंगे? तो आप उनसे भी इस बारे में बात नहीं कर सकते। तो फिर आप को क्या करना चाहिए? संस्कृत का एक श्लोक है,'बालास्तवत क्रीड़ासक्त-' अर्थात बच्चे की तरह खेल में आसक्त रहो। जब आप बच्चे थे तब आपका खेलकूद आपको पूरी तरह व्यस्त रखता था, आपका खेलकूद हर समय चलता रहता था। आप जब युवा हुए तो वे सब खेलकूद आपको थोड़ा मूर्खतापूर्ण लगने लगे, आपको लगा कि अब आप थोड़े गंभीर और उद्देश्यपूर्ण हो गए हैं। उसके बाद क्या हुआ? आप की बुद्धिमत्ता को आपके हार्मोन्स ने जकड़ लिया। फिर आप कुछ भी स्पष्ट रूप से दिखना बंद हो गया। फिर, धीरे-धीरे आप बूढ़े होने लगे। बूढ़े हमेशा चिंतित रहते हैं। बच्चा खेल में व्यस्त रहता है। युवा पूरी तरह से हार्मोन्स के शिकंजे में होते हैं। बूढ़े चिंता में रहते हैं कि स्वर्ग में कहां होंगे? आप उनसे भी इस बारे में बात नहीं कर सकते। फिर बताइए, यहां है कौन? कोई ऐसा, जो न बच्चा हो, न युवा, न वृद्ध-कोई ऐसा जो सिर्फ जीवन हो-सिर्फ उससे ही आप ये बात कर सकते हैं।

तार्किक व राहतकारी हो अनुग्रह राशि

अनूप भटनागर

यह कितना विचित्र लगता है कि प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वालों के परिजनों को दो से पांच लाख रुपए तक की अनुग्रह राशि दी जाती है लेकिन सरकार वैश्विक महामारी कोविड से जान गंवाने वालों के परिजनों को सिर्फ पचास-पचास हजार रुपये ही अनुग्रह राशि देना चाहती है। कोरोना महामारी की चपेट में आये लोगों के इलाज, कई मामलों में सिर्फ ऑक्सीजन, पर परिवारों का 50,000 रुपए से ज्यादा खर्च हुआ और वे प्रियजनों का ठीक से अंतिम संस्कार भी नहीं कर सके। क्या 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि ऊंट के मुंह में जीरे की कहावत चरितार्थ नहीं करती है? यानी महामारी में जान गंवाने वालों की जिंदगी की कीमत सरकार ने सिर्फ 50,000 रुपये ही निर्धारित की है। यही नहीं, यह अनुग्रह राशि उन्हीं परिवारों को मिलेगी, जिनके परिवार के मृत सदस्य के मृत्यु प्रमाणपत्र पर मृत्यु का कारण कोरोना या कोविड दर्ज होगा। मृत्यु प्रमाणपत्र पर मृत्यु का कारण दर्ज होना या कराना भी एक चुनौती भरा काम है क्योंकि अस्पताल से जारी होने वाले प्रमाणपत्र में मृत्यु का कारण अलग ही दर्ज होता है। तभी उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करके सरकार को यह निर्देश देना पड़ा था कि कोरोना महामारी से जान गंवाने वाले व्यक्तियों के मृत्यु प्रमाणपत्र पर स्पष्ट रूप से मृत्यु का कारण 'कोरोना' दर्ज होना चाहिए। मृतकों के प्रमाणपत्र पर मृत्यु का कारण कोरोना दर्ज नहीं होने और पीड़ित परिजनों के लिए अनुग्रह राशि के मामले में सरकार के टाल-मटोल के रवैये की वजह से ही शीर्ष अदालत को इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा था। वैसे भी गृह मंत्रालय ने न्यायालय में तर्क दिया था कि आपदा प्रबंधन कानून के अंतर्गत शामिल भूकंप और बाढ़ सहित 12 अधिसूचित प्राकृतिक आपदा इस महामारी से एकदम भिन्न हैं। कानून में अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं के मामले में आमतौर पर राज्य आपदा मोचन कोष से चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देते हैं। यह सही है कि कोरोना महामारी ने एक अलग किस्म की चुनौती पेश की लेकिन क्या इसे दिसंबर, 2004 में आई सुनामी से अलग रखा जा सकता है। शायद नहीं। न्यायालय ने कोरोना से पीड़ित परिवारों के प्रति सरकार के इस रवैये पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उसे कोविड पीड़ितों के लिए योजना तैयार करने का निर्देश दिया था। उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद बनाए गए दिशा-निर्देशों के अंतर्गत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कोविड-19 से मरने वाले लोगों के परिजन को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की सिफारिश की है। कोविड-19 राहत कार्य में शामिल रहने या महामारी से निपटने की तैयारियों से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने के कारण इस संक्रमण से जान गंवाने वालों के परिजन को भी अनुग्रह राशि दी जाएगी। सरकार कहती है कि जीवन को पहुंची क्षति की भरपाई तो नहीं की जा सकती लेकिन पीड़ित परिवारों के लिए देश यथासंभव कर रहा है। लेकिन इस महामारी से जान गंवाने वाले व्यक्तियों का अभी तक सही आंकड़ा भी उपलब्ध नहीं है। शीर्ष अदालत को भी विचार करना होगा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोरोना पीड़ितों और उनके परिजनों में कैसी बदहवासी व्याप्त थी। जीवनरक्षक दवाओं और ऑक्सीजन की अनुपलब्धता ने कोरोना पीड़ितों की जिंदगी पर समय से पहले ही विराम लगा दिया और सत्ताधीश नेता आरोप-प्रत्यारोपों में व्यस्त रहे। कोरोना के कारण माता-पिता को खोने वाले बच्चों के निमित्त कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए मृत्यु प्रमाणपत्र पर मृत्यु का कारण 'कोविड-19' दर्ज होना जरूरी था। लेकिन नौकरशाही के उदासीन रवैये के कारण इस तरह का मृत्यु प्रमाणपत्र हासिल करना भी एक चुनौती थी। मृत्यु प्रमाणपत्र में इस खामी का भी संज्ञान देश की सर्वोच्च न्यायपालिका ने लिया है। ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि एक समान मृत्यु प्रमाणपत्र की नीति के अभाव में प्राधिकारी मृत्यु प्रमाणपत्र में मृत्यु का कारण कोविड-19 या कोरोना संक्रमण की बजाय दूसरी बीमारियों का उल्लेख कर रहे थे या फिर उस कालम को रिक्त छोड़ रहे थे। इस खामी के मद्देनजर न्यायालय ने सरकार से कहा कि अस्पतालों में कोविड की वजह मरने वाले व्यक्तियों के मृत्यु प्रमाणपत्र में वे सभी तथ्य परिलक्षित होने चाहिए जो मरीज के साथ घटित हुई ताकि परिवार भविष्य में मिलने वाले लाभ प्राप्त कर सकें। न्यायालय को इस बात का अहसास है कि इसके बाद भी मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने में कई तरह के विवाद हो सकते हैं। इसकी संभावना देखते हुए अब न्यायालय ने संकेत दिया है कि ऐसा कोई विवाद होने पर जिला स्तर पर शिकायत निवारण समितियों को मृतक का अस्पताल का रिकॉर्ड मंगाने के लिए अधिकृत किया जा सकता है। न्यायालय को यह भी सुनिश्चित कराना होगा कि जिला स्तर की शिकायत निवारण समितियां एक निश्चित अवधि में इन शिकायतों का समाधान करें। कोरोना महामारी की विभीषिका से उत्पन्न स्थिति में न्यायपालिका के हस्तक्षेप ने कई समस्याओं के तेजी से समाधान के लिए कदम उठाने पर सरकार को बाध्य किया। न्यायिक हस्तक्षेप का ही परिणाम है कि देश में अब ऑक्सीजन या जीवनरक्षक दवाओं की कमी की कोई खबर नहीं है और कोरोना से पीड़ित मरीजों का सही तरीके से उपचार हो रहा है। मृत्यु प्रमाणपत्र में कोविड दर्ज होने तथा परिजनों को उचित अनुग्रह राशि पर अब उच्चतम न्यायालय चार अक्तूबर को आदेश पारित करेगा। साथ ही इस आदेश में केन्द्र और राज्यों के लिए कुछ दिशा-निर्देश भी होंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि शीर्ष अदालत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कोविड के कारण जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए पचास पचास हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की सिफारिश के बावजूद इस राशि को बढ़ाने पर विचार करने का निर्देश सरकार को देगी।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

आस-पास भी बहुत कुछ

ऊटी व आस-पास घूमने के लिए हमने एक दिन के लिए छोटी बस किराये पर ली थी। मानसून में ऑफ सीजन होता है, तो हमें यह बेहद कम दाम में उपलब्ध हो गई। ऊटी में तो हम जगह-जगह घूमे ही, ऊटी के आस-पास भी बहुत-से ऐसे स्थान थे जहां जाकर हम रोमांचित हुए बिना नहीं रह सके। पहले जिक्र करते हैं ऊटी से आठ किलोमीटर दूर और समुद्र तल से 2623 मीटर की ऊंचाई पर स्थित डोडाबेटा शिखर की। यहां पूर्वी व पश्चिमी घाटों का मिलन होता है। यहां से नीलगिरी पहाडियों का अकल्पनीय दृश्य नजर आता है। डोडाबेटा शिखर शोला वनों से घिरा है। पर्यटन विभाग ने यहां एक दूरबीन भी लगा रखी है।

यूं लगा जन्नत में है ऊटी

मुन्नार की मखमली खूबसूरती से तीन दिन तक रू-ब-रू रहने के बाद हमारी टोली ऊटी के लिए रवाना हुई तो एक उदासी-सी मन में थी। एक तो जन्नत जैसे मुन्नार से हम विदा ले रहे थे जहां से वापस आने का दिल शायद ही किसी का करे। दूसरे, मन में यह सवाल बार-बार सिर उठा रहा था कि मुन्नार को देखने के बाद ऊटी कहीं फीका लगा और अगले दो दिन बेकार चले गए, तो? मुन्नार से कोयम्बटूर और वहां से आगे ऊटी जाने के लिए यूं तो अच्छी सडक है, पर चूंकि टोली में आठ-दस बच्चे और कुछ महिलाएं भी थीं, तो बेहतर यही था कि सडक के मुश्किल सफर के बजाय ऊटी तक की दूरी ट्रेन से तय की जाए। इस फैसले की वजह मेट्टूपालयम से ऊटी तक घुमावदार पहाडी रास्तों पर रेंगने वाली टॉय ट्रेन भी थी जो खासकर बच्चों के लिए मजेदार अनुभव होता।

एक सफर में दो रंग

ऊटी तक के ट्रेन के इस सफर को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, मेट्टूपालयम से कुन्नूर। यहां ट्रेन स्टीम इंजन से चलती है। स्टीम इंजन है तो जाहिर है ट्रेन की चाल भी बेहद धीमी रहती है। कुन्नूर तक चढाई ज्यादा तीखी है जिसे स्टीम इंजन अपनी कछुआ चाल से बडी आसानी से तय कर लेता है। पूरा रास्ता चट्टानी है, रास्ते में ऊंचे पेड हैं और अनेक छोटे-बडे पुल भी। कुन्नूर इस रेलखंड का एक अहम स्टेशन है जहां गाडी काफी देर रुकती है। खाने-पीने के यहां बेहतर बंदोबस्त हैं। कुन्नूर में ट्रेन स्टीम इंजन का दामन छोडकर डीजल इंजन को अपना सारथी बनाती है, और शुरू हो जाता है सफर का दूसरा हिस्सा जो कहीं ज्यादा सुकून देने वाला है। कह सकते हैं कि ऊटी का असल रंग दिखना यहीं से शुरू होता है। चाय के तराशे हुए बौने पौधे ऊंचे पेडों की जगह ले लेते हैं। अभी तक जो गहरा हरा रंग आंखों तक पहुंच रहा था, उस पर लगता है जैसे प्रकृति ने दिल खोलकर धूप मसल दी हो। चारों तरफ खिली हुई हरियाली.. मन को प्रफुल्लित करती हरियाली। और इस हरियाली के बीच गर्व से सिर उठाए खडे छोटे-छोटे घर.. एक अलग ही दृश्य है यह, जो एक बार दिल पर छप गया तो फिर कभी धूमिल होने वाला नहीं।

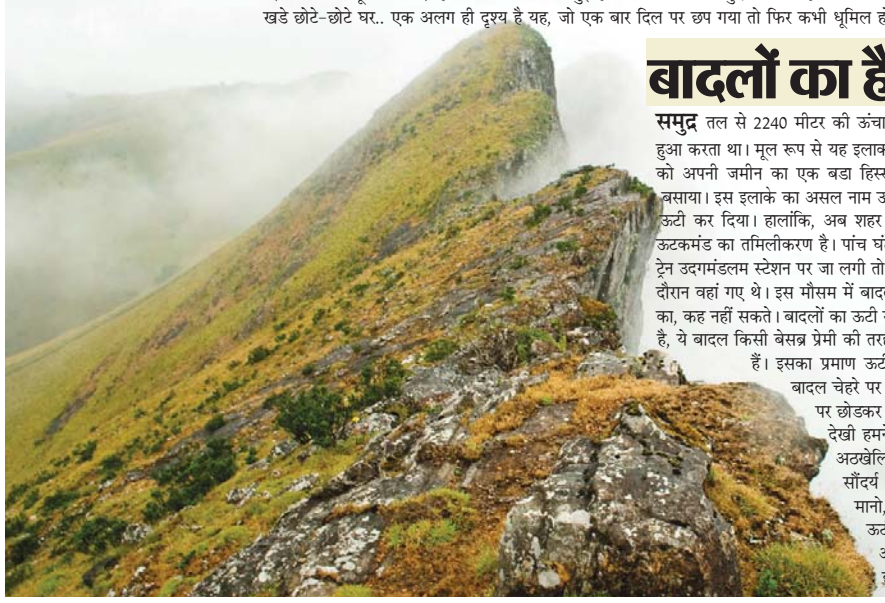

बादलों का है अलग रिश्ता

समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ऊटी अंग्रेजों का समर रिजॉर्ट हुआ करता था। मूल रूप से यह इलाका टोडा जनजाति का घर है। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी जमीन का एक बडा हिस्सा दे दिया था, जिस पर अंग्रेजों ने शहर बसाया। इस इलाके का असल नाम ऊटकमंड है, इसी को अंग्रेजों ने छोटा करके ऊटी कर दिया। हालांकि, अब शहर का आधिकारिक नाम उदगमंडलम है जो ऊटकमंड का तमिलीकरण है। पांच घंटे के सफर के बाद दिन में करीब 12 बजे ट्रेन उदगमंडलम स्टेशन पर जा लगी तो बूंदाबांदी हो रही थी। हम लोग मानसून के दौरान वहां गए थे। इस मौसम में बादलों का दिल कब हो जाए ऊटी को भिगोने का, कह नहीं सकते। बादलों का ऊटी से अलग ही रिश्ता है। जब-जब दिल करता है, ये बादल किसी बेसब्र प्रेमी की तरह आकर ऊटी को अपने आगोश में ले लेते हैं। इसका प्रमाण ऊटी की गोद में विचरण करते वक्त मिला। बादल चेहरे पर आ-आकर ठहरते और पानी के कण गालों पर छोडकर आगे निकल जाते। बारिश मुन्नार में भी खूब देखी हमने.. वहां भी बादल पहाडों व पेडों के साथ अठखेलियां करते दिखे। लेकिन वहां के अप्रतिम सौंदर्य को बादल अपने आलिंगन में नहीं लेते। मानो, कोई झिझक उन पर तारी रहती हो। लेकिन ऊटी में समीकरण अलग है। यहां बादल आएंगे तो पहले प्यार में डूबकर हर गोशे को छुएंगे और फिर भावुक होकर बरस पडेंगे।

खूबसूरत शहर

ऊटी की सुंदरता की किसी और जगह से तुलना बेमानी है। नीलगिरी की गोद में एक चुप्पी ओढे शहर की तस्वीर पेश करता है यह। बडे नाम वाले हिल स्टेशनों के मुकाबले जिंदगी बहुत तेज नहीं है यहां। ऊंचाई से देखो तो अंग्रेजी स्टाइल में बने घरों की छटा अलग ही है। घरों के जमावडे के बीच से झांकता वहां का मशहूर रेसकोर्स.. इसके अलावा हरे-भरे बाग, झील, गोल्फ कोर्स, स्टेशन परिसर.. हमने ऊटी का यह विहंगम नजारा डोडाबेटा टी फैक्टरी की बालकनी से देखा। यह दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी टी-फैक्टरी है। पांच रुपये की टिकट पर चाय बनाने की प्रक्रिया यहां देख सकते हैं। ताजा चाय की महक में तलब लगना लाजिमी है। लीजिए, इलायची वाली चाय का कप भी हाजिर है आपके लिए। चुस्की लीजिए और तर-ओ-ताजा हो जाइए। यहां कई तरह की चाय बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। हमारे साथियों ने कितनी खरीदारी की यहां, इसका पता बाहर आकर चला जब हरेक के हाथ में दो-दो थैले झूलते नजर आए।

वेनलॉक का जादू

टोडा जनजाति के घरों को तो हमने दूर से देखा, लेकिन वेनलॉक के नैसर्गिक सौंदर्य को हम अपने भीतर भरकर ले लाए। सफेद बादलों में लिपटी चटख हरे रंग की पहाडियां.. हर बार पलकें उठाते ही भीतर एक पूरी दुनिया आबाद हो रही थी, और हर सांस के साथ मानो अमृत घुलता जा रहा था शरीर में। यह स्थान ऊटी से छह मील व नौ मील के बीच स्थित है। स्थानीय लोग बोलचाल में इसे फिल्म शूटिंग पॉइंट कहते हैं। चाय की खेती होने से पहले नीलगिरी पर्वतमाला की हर पहाडी ऐसी ही होती थी। हल्की ढलान वाली इन बल खाती हुई पहाडियों की तुलना ब्रिटेन के यॉर्कशर डेल्स से की जाती है। पहले तो हमने सोचा कि बारिश में कौन चढेगा पहाडी के ऊपर, चलो रहने देते हैं। लेकिन फिर हिम्मत की तो ऊपर जाकर पता चला कि हमसे क्या छूटने जा रहा था। एक पहाडी की ढलान दूसरी पहाडी की ढलान में मिल रही थी। दूर तक जन्नत के सिवा कुछ नहीं था। ये क्या! अभी-अभी जो जगह साफ दिख रही थी, उसे अचानक सफेद जलकणों ने ढक लिया था। ठंड से हम कांप रहे थे और कानों के सिरे लाल हुए जा रहे थे।

लेकिन यकीन मानिए, वहां से वापस आने के लिए मन को समझाना मुश्किल हो रहा था। हमारे सामने जो था, वो किसी स्वप्न से कम नहीं था। हमारा ऊटी आना सफल हो गया।

लोकेशन

छुक-छुक रेलगाडी

मुन्नार को अलविदा कहकर हम बस से कोच्चि पहुंचे, जहां से कोयम्बटूर और फिर आगे मेट्टूपालयम तक हमें ट्रेन से जाना था। मेट्टूपालयम कस्बा कोयम्बटूर से 35 किलोमीटर की दूरी पर है और यहां तक बडी लाइन की ट्रेनें जाती हैं। सफर का असल रोमांच मेट्टूपालयम से शुरू होता है जहां से नैरोगेज लाइन पर चार डिब्बों वाली ट्रेन ऊटी के लिए निकलती है। नीलगिरी पहाडियों में चीड के पेडों के बीच से मंद गति से तय होता यह सफर बेहतरीन कुदरती नजारे हमारे सामने पेश कर रहा था। कहीं ऊंचाई से गिरते पानी का शोर था, कहीं पहाडों ने अपने हरे चोगे पर सफेद बादल कंगन की तरह टांग रखे थे, तो कहीं सांप की तरह रेंगती सडक हमसे आ मिलने को बेताब दिख रही थी। रास्ते में प्रहरी की तरह खडे ऊंचे पेड और कुछ पलों के लिए ट्रेन को निगल लेने वाली सुरंगें हमारे रोमांच को दूना करने में कोई कसर नहीं छोड रहे थे। जैसे ही ट्रेन सुरंग के अंधेरे में समाती, यात्रियों का जोशभरा शोर उस अंधेरे पर भारी पडता दिखता। इस पूरे सफर के दौरान दिक्कत थी तो सिर्फ एक, और वो यह कि इस छुटकी-सी ट्रेन में बैठने की जगह बेहद तंग थी। लेकिन इस दौरान अगर आप खुद को कुदरत के मोहपाश में जकडे रहने देते हैं तो इस दिक्कत का एहसास ही नहीं होता।

कई रंग हैं ऊटी में

हमारे सामने ऊटी शहर अपने विविध रंगों को लेकर शान से खडा था। घूमने-फिरने के लिए ऊटी में और इसके आस-पास कई जगहें हैं। ऊटी की बात करें तो सबसे पहले जिक्र झील का आएगा। स्टेशन से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इस कृत्रिम झील पर सैलानियों तथा छुट्टी बिताने आए स्थानीय लोगों की भीड हमें नजर आई। 190 साल पहले यह झील जॉन सुलिवन ने बनवाई थी। यहां पर नौका विहार का आनंद लेने से हम खुद को नहीं रोक पाए। नाव में आधे घंटे तक झील की सैर के दौरान कितने ही प्यारे-प्यारे नजारों ने हमें बांधे रखा। यहां नौका विहार के अलावा मनोरंजन के अन्य साधन भी हैं, खासकर बच्चों के लिए। टॉय ट्रेन आपको झील के किनारे-किनारे चक्कर कटाकर लाती है तो लेक गार्डन में थोडी देर सुस्ताना सारी थकान भगा देगा। इसके अलावा, खाने-पीने व शॉपिंग के भी यहां खासे विकल्प नजर आए। झील के पास ही ऊटी का मशहूर थ्रेड गार्डन है, जहां धागे से रंग-बिरंगे फूल बनाए जाते हैं। यहां की खासियत है कि फूलों को हाथ से बनाया जाता है और इन्हें बनाने में सुई का इस्तेमाल भी नहीं होता। इसके अलावा, दुनियाभर में मशहूर बॉटेनिकल गार्डन यहां है जहां हजारों प्रजातियों के पेड-पौधे हैं। 22 एकड में फैले इस गार्डन में हर साल मई में होने वाले फ्लावर शो में बडी तादाद में लोग पहुंचते हैं। यहां एक अन्य आकर्षण एक पेड का करीब दो करोड साल पुराना जीवाश्म है। बॉटेनिकल गार्डन के पास ही चिल्ड्रन पार्क है। यहां जाएंगे तो लगेगा कि मखमल का कोई गलीचा आपके सामने बिछा हुआ है। बच्चों का दिल अगर यहां से आने को न करे तो इसमें उनका कोई कुसूर नहीं। ऊटी का एक अन्य आकर्षण छह एकड में फैला रोज गार्डन है। यह विजयनगरम इलाके में एल्क हिल की ढलान पर है जहां गुलाब के 17,000 से ज्यादा पौधे हैं। तभी तो इसे देश का सबसे बडा रोज गार्डन होने का गौरव हासिल है। इसके अलावा, गोल्फ कोर्स व रेस कोर्स की हरियाली वहां जाने वाले को अपने जादू में बांध लेने के लिए काफी है।

पीरामल एंटरप्राइजेज ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को खरीद लिया

नई दिल्ली । पीरामल एंटरप्राइजेज ने संकटग्रस्त कंपनी दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) को 38,050 करोड़ रुपये में खरीद लिया है।पीरामल ने इस आईबीसी के रास्ते होनेवाला वित्तीय क्षेत्र का पहला सफल समाधान बताया है। डील के मुताबिक पीरामल इसके लिए 34,250 करोड़ रुपये का भुगतान कैश और नॉन-कन्वर्टिबिल डिबेंचर के कॉम्बिनेशन के रूप में करेगी। इसके बाद बाकी का भुगतान वह कर्ज चुकाने में करेगी। गौरतलब है कि डीएचएफएल के 94 फीसदी देनदार ने पीरामल की समाधान योजना के समर्थन में वोट किया था। पीरामल ने इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक , भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और भारतीय कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल से भी मंजूरी हासिल की है। कंपनी ने बताया कि डीएचएफएल के करीब 70,000 देनदार हैं, जिनमें से करीब 46 फीसदी को इस समाधान योजना से उनका बकाया मिल जाएगा। कंपनी ने बताया कि डील के बाद पीरामल कैपिटल एवं हाउसिंग फाइनेंस (पीसीएचएफएल) और डीएचएफएल का विलय कर दिया जाएगा। इसमें 100 फीसदी हिस्सेदारी पीरामल एंटरप्राइजेज की होगी। विलय के बाद यह देश की प्रमुख हाउसिंग फाइनेंस कंपनी बन जाएगी। नई कंपनी किफायती मकानों को लोन देने पर जोर देगी और इसके पास करीब 10 लाख ग्राहक होने वाले है। गौरतलब है कि पीसीएचएफएल फिलहाल देश के 24 राज्यों में कारोबार करती है। इसकी 301 ब्रांच हैं जिनमें करीब 2,338 कर्मचारी काम करते हैं। वित्तीय कंपनी दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के लिए पीरामल, अडानी समेत चार कंपनियों ने बोली लगाई थी, लेकिन बाद में इसमें पीरामल को जीत मिली। डीएचएफएल दिवालिया प्रक्रिया में रखी गई पहली वित्तीय सेवा कंपनी थी। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस लि. (डीएचएफएल) को दिए 3,688.58 करोड़ रुपये के लोन को फॉड घोषित किया था।

सेल अध्यक्ष ने कहा, कंपनी विस्तार के अगले दौर में जाने के लिए तैयार

नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एक उपक्रम, ने वर्चुअल रूप से आज अपनी 49वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया। इस अवसर पर सेल की अध्यक्ष, सोमा मण्डल ने नई दिल्ली में स्थित कंपनी के मुख्यालय से इस बैठक में शामिल होते हुए शेयरधारकों को संबोधित किया। सेल अध्यक्ष ने कंपनी के शेयरधारकों के बीच सेल की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं/मुख्य बातों को रेखांकित किया। वित्त वर्ष 2021 को सेल के लिए विकास और नई ऊंचाइयों को छूने वाला वर्ष बताते हुए, उन्होंने कहा कि सेल ने अब तक का अपना उच्चतम एबिटडा, 13,740 करोड़ रुपये प्राप्त किया है जो कि सीपीएलवाई से 923 प्रतिशत अधिक है।जिन कारकों ने लाभ प्राप्ति में सुधार लाने में मदद की, उनमें अन्य के साथ-साथ माध्यमिक उत्पादों की उच्च बिक्री, आयरन ओर फाइन्स की बिक्री, अन्य कच्चे माल का कम उपयोग, तकनीकी-आर्थिक मापदंडों में सुधार, स्टोरों और पुर्जों के खर्चों में लाभ, खरीदी गई बिजली की दरों में कमी, ब्याज शुल्क में कमी, उच्च लाभांश आय और विदेशी मुद्रा विनिमय लाभ शामिल है। कंपनी का प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) पिछले दस वर्षों में अधिकतम रहा है वर्तमान समय में चल रही कोविड-19 महामारी के कारण कंपनी के सामने उत्पन्न होने वाली विभिन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए शेयरधारकों को इस महामारी के प्रभावों से मुकाबला करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाए गए उपायों के बारे में सूचित किया गया। सक्रिय कार्रवाई करते हुए, कंपनी ने अपनी चौतरफा गतिविधियों को बनाए रखने के लिए अपनी योजनाओं और रणनीतियों पर फिर से अमल किया।

रिजर्व बैंक की रोक हटने के बाद एचडीएफसी बैंक ने चार लाख नए क्रेडिट कार्ड जारी किए

नयी दिल्ली,

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने पिछले महीने रिजर्व बैंक का प्रतिबंध हटने के बाद चार लाख नए क्रेडिट कार्ड जारी किए हैं। बैंक ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उसने रोक हटने के बाद चार लाख से अधिक क्रेडिट कार्ड जारी करने का रिकॉर्ड बनाया है। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि ये नए कार्ड 21 सितंबर, 2021 तक जारी किए गए हैं और यह बैंक की तीव्र प्रगति को दर्शाता है। एचडीएफसी बैंक में भुगतान, उपभोक्ता वित्त, डिजिटल बैंकिंग और आईटी के समूह प्रमुख पराग राव ने कहा कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों की संख्या को तेजी से बढ़ाएगा और जल्द ही खोए हुए बाजार को फिर से हासिल करने का प्रयास करेगा।उन्होंने कहा कि बैंक ने सभी ग्राहक वर्गों में रिकॉर्ड उच्च वृद्धि दर हासिल किया है और यह सभी वर्गों में बेहतर श्रेणी के कार्डों के जरिये उद्योग में बदलाव लाने को तैयार है। राव ने कहा, ÷हम अपने कार्ड की संख्या को बहुत तेजी से बढ़ाना चाहते हैं। हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि जबसे प्रतिबंध हटाया गया है, तब से इस महीने सितंबर के अंत तक, हम बहुत ही कम अवधि में चार लाख नए कार्ड जारी कर चुके हैं।'' उन्होंने कहा, ÷मेरे विचार से यह एक बहुत ही बड़ी उपलब्धि है और मेरा यह भी मानना है कि यह बहुत ही कम समय में उद्योग में सबसे बड़ा काम है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हमारी सतत वृद्धि की रणनीति होगी।''

मुजफ्फरनगर में गन्ने की खेती का क्षेत्र बढ़कर 1,68,015 लाख हेक्टेयर हुआ

मुजफ्फरनगर:

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में गन्ने की खेती का क्षेत्र 2021-22 में बढ़कर 1,68,015 लाख हेक्टेयर हो गया। जिला गन्ना अधिकारी आर डी द्विवेदी के अनुसार, 2016-17 में जिले में 1,26,972 लाख हेक्टेयर भूमि में गन्ने की खेती की गई थी, जो 2021-22 में बढ़कर 1,68,015 लाख हेक्टेयर हो गई। पेराई वर्ष 2016-17 में, जिले में गन्ने की खेती का क्षेत्र 1,26,872 लाख हेक्टेयर था और 2017-18 में यह बढ़कर 1,31,954 लाख हेक्टेयर हो गया। वहीं पेराई वर्ष 2018-19 में गन्ने की खेती का क्षेत्र 1,39,221 लाख हेक्टेयर जो 2019-20 में बढ़कर 1,47,029 लाख हो गया। 2020-21 में यह 1,64,391 लाख हेक्टेयर और 2021-22 में 1,68,015 लाख हेक्टेयर था। पिछले पांच पेराई वर्षों के दौरान जिले में गन्ने की खेती के क्षेत्र में 40 हजार हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। इस बीच जिले की आठ चीनी मिलों ने 2021-22 सीजन के लिए पेराई के काम की तैयारी शुरू कर दी है।

हेल्थटेक स्टार्टअप एमफाइन ने वर्चुअल अस्पताल बनाने के लिए 356 करोड़ रुपये जुटाए

बेंगलुरु। हेल्थटेक स्टार्टअप एमफाइन ने बुधवार को घोषणा की कि उसने मौजूदा निवेशकों की भागीदारी के साथ मूर स्ट्रेटेजिक वेंचर्स और बीनेक्स्ट के सह-नेतृत्व में सीरीज सी फंडिंग में 48 मिलियन डॉलर (लगभग 356 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। स्टार्टअप ने कहा कि नए फंड देश भर में अपने अस्पताल, डायग्नोस्टिक्स और ई-फार्मेसी नेटवर्क के विस्तार को नई और पुरानी दोनों स्थितियों के रोगियों के लिए तकनीक-संचालित देखभाल वितरण उत्पादों के निर्माण में निवेश करने में मदद करेंगे। एमफाइन के सीईओ और सह-संस्थापकप्रसाद कोमपल्ली ने कहा, हम हर स्मार्टफोन को उपभोक्ताओं के लिए एक स्वास्थ्य साथी और सभी डॉक्टरों के लिए एक निर्णय समर्थन सहायक में बदलने के लिए गहरी तकनीक में निवेश करना जारी रखेंगे। हम पूरे भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार करने और अपनी सेवाओं को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने पर भी विचार करेंगे। मौजूदा निवेशक स्टेलारिस वेंचर पार्टनर्स, एसबीआई ग्रुप जापान, एसबीआई वेन कैपिटल सिंगापुर, हेरिटस कैपिटल, प्राइम वेंचर पार्टनर्स, वाईस इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड और अल्टेरिया कैपिटल ने भी दौर में भाग लिया। इसकी स्थापना के बाद से, 3 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं ने एमफाइन सेवाओं का उपयोग किया है, जिसमें 300,000 से अधिक मासिक लेनदेन होते हैं, जिसमें डॉक्टर परामर्श, नैदानिक परीक्षण, ई-फार्मेसी और इन-पेशेंट प्रक्रियाएं शामिल हैं। हर महीने डायग्नोस्टिक टेस्ट की बुकिंग के लिए 1 लाख से ज्यादा लोग एमफाइन का इस्तेमाल करते हैं। महामारी की शुरुआत के बाद से भारत में टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य को तेजी से अपनाने और भारतीयों के बीच डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने में वृद्धि के बीच एमफाइन ने कहा कि यह महीने दर महीने 15 प्रतिशत बढ़ रहा है।

वैश्विक संकेतों में सूचकांक कमजोर; आईटी शेयरों में गिरावट

मुंबई।

कमजोर वैश्विक संकेतों और मुनाफावसूली के साथ-साथ बुधवार को दोपहर के कारोबारी सत्र में भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों में गिरावट आई इसके अलावा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। वैश्विक स्तर पर, एशियाई शेयरों में बुधवार को गिरावट आई क्योंकि चीन में आर्थिक विकास की चिंताओं के साथ-साथ वैश्विक मंदी की आशंकाओं को जोड़ा गया। बिजली, तेल और गैस और धातु सूचकांकों में सबसे अधिक तेजी आई, जबकि रियल्टी, आईटी और दूरसंचार सूचकांकों में सबसे अधिक गिरावट आई। हालांकि, बिजली शेयरों में बढ़त हुई है क्योंकि वैश्विक बिजली की कमी ने भारतीय बिजली शेयरों में दिलचस्पी दिखाई है। नतीजतन, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 59,417.21 स्तर पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 250.39 अंक या 0.42 प्रतिशत कम था। इसी तरह, एनएसई निफ्टी50 में गिरावट दर्ज की गई। यह अपने पिछले बंद से 42 अंक या 0.24 प्रतिशत कम होकर 17,706.60 स्तर पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, कमजोर वैश्विक संकेतों से भारतीय बाजारों में नरमी आई है। एनएसई पर वॉल्यूम हाल के औसत से थोड़ा अधिक है। अग्रिम गिरावट अनुपात पॉजिटिव है और बाजार सूचकांक व्यापक है। भारतीय बाजार यूरोपीय बाजारों को संकेतों के लिए देखेंगे और अगर यूरोपीय बाजार अपने शुरूआती लाभ को छोड़ देते हैं तो और कमजोर हो सकते हैं। कैपिटल वाया ग्लोबल रिसर्च के शोध प्रमुख गौरव गर्ग के अनुसार, भारतीय इक्विटी बेंचमार्क दोपहर के सत्र में लाल रंग में कारोबार करना जारी रखा, जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल इलाके में कारोबार कर रहे हैं। अन्य एशियाई बाजारों से मिले निगेटिव संकेतों से घरेलू धारणा प्रभावित हुई। सेक्टरों में मेटल, रियल्टी और पावर इंडेक्स 1-2 फीसदी ऊपर, जबकि आईटी, ऑटो और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली देखी गई। बीएसई मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में बिकवाली देखी गई। सूचकांक मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा, एमओएफएसएल के तकनीकी और डेरिवेटिव्स विश्लेषक, चंदन टापरिया ने कहा, मौजूदा समय में, हम पीएसयू और फार्मा स्पेस में अच्छी गति देख रहे हैं और सन फार्मा और बीईएल जैसे काउंटरों में खरीदारी के अवसर की तलाश कर सकते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी एफ42 5जी ट्रिपल रियर कैमरों के साथ भारत में लॉन्च

नई दिल्ली।

सैमसंग ने बुधवार को भारतीय बाजार में अपना पहला एफ सीरीज 5जी स्मार्टफोन गैलेक्सी एफ42 5जी लॉन्च किया। स्मार्टफोन में नाइट मोड के साथ 64एमपी ट्रिपल कैमरा, 90हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ 6.6 इंच फुलएचडी प्लस डिस्प्ले और 12 बैंड 5जी सपोर्ट दिया गया है।

गैलेक्सी एफ42 5जी दो मेमोरी वेरिएंट में उपलब्ध होगा। 6जीबी प्लस 128जीबी की कीमत 20,999 रुपये और 8जीबी प्लस 128जीबी की कीमत 22,999 रुपये है। यह दो आकर्षक कलर, मैट ब्लैक और मैट एक्वा में उपलब्ध होगा। स्मार्टफोन की बिक्री रविवार, 3 अक्टूबर से फ्लिपकार्ट, सैमसंग ऑनलाइन स्टोर और देश के चुनिंदा रिटेल आउटलेट्स पर शुरू होगी। फ्लिपकार्ट पर बिग बिलियन डे की शुरूआत के साथ उपभोक्ता गैलेक्सी एफ42 5जी को 6जीबी प्लस 28जीबी के लिए 17999 रुपये और 8जीबी प्लस 128जीबी के लिए 19999 रुपये की विशेष शुरूआती कीमत पर खरीद सकेंगे। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए ही मान्य होगा। गैलेक्सी एफ42 5जी एक संपूर्ण पैकेज देने के लिए 90हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ 6.6 इंच फुल एचडी प्लस डिस्प्ले, 64एमपी ट्रिपल कैमरा और शक्तिशाली मीडियाटेक डाइमेंशन 700 प्रोसेसर जैसी सेगमेंट की अग्रणी विशेषताओं के साथ आता है। फोन में वाटरड्रॉप-स्टाइल नॉच दिया गया है। सैमसंग इंडिया के मोबाइल मार्केटिंग के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख आदित्य बब्बर ने बयान में कहा, गैलेक्सी एफ42 को 12 बैंड 5जी सपोर्ट के साथ, उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया जा सकता है। 5जी के लाभों का अनुभव करने वाले पहले लोगों में से होंगे। सैमसंग गैलेक्सी एफ42 5जी शीर्ष पर एक यूआई 3.1 और सुविधाओं के साथ एंड्रॉयड 11 पर चलता है। फोन में 64एमपी का प्राइमरी सेंसर, 5एमपी का अल्ट्रा-वाइड शूटर और 2एमपी का डेप्थ सेंसर है। रियर कैमरा सेटअप कई तरह के मोड को भी सपोर्ट करता है, जिसमें हाइपरलैप्स, स्लो मोशन, फूड मोड, नाइट मोड, पैनोरमा और प्रो मोड शामिल हैं। स्मार्टफोन में फ्रंट में 8एमपी का सेल्फी कैमरा सेंसर भी है। फोन 5,000एमएएच की बैटरी के साथ आता है जिसके बारे में दावा किया गया है कि यह 15वॉट का तेज चार्जिंग अनुभव प्रदान करता है।

टाटा मोटर्स ने टियागो एनआरजी को नेपाल के बाजार में उतारा

मुंबई।

टाटा मोटर्स ने कहा कि उसने अपनी हैचबैक टियागो एनआरजी को नेपाल के बाजार में उतारा दिया है। कंपनी ने सिप्राडी ट्रेडिंग के साथ साझेदारी में वाहन पेश किया है। इसकी कीमत 33.75 लाख नेपाली रुपये (21.13 लाख भारतीय रुपये) से शुरू होती है। जीएनसीएपी 4-स्टार एडल्ट सेफ्टी रेटिंग के साथ, वाहन चार रंगों, फॉरेस्ट ग्रीन, फायर रेड, स्नो व्हाइट और क्लाउडी ग्रे में बेचा जाएगा। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन अंतरराष्ट्रीय कारोबार प्रमुख ने कहा, एनआरजी, हैचबैक वर्ग में एसयूवी जैसी और विशेषताओं को लाने की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ अच्छी तरह से फिट बैठती है। हम अपने उत्पादों की श्रृंखला में जुड़ी इस नयी कार को भी सफलता मिलने को लेकर आशान्वित हैं।÷ टाटा मोटर्स ने अगस्त में भारत में इस मॉडल को पेश किया था। भारत में इसकी कीमत 6.57 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) से शुरू होती है।

त्योहारों से पूर्व, अमेज़न इंडिया ने 110,000 से ज्यादा नौकरियों के अवसरों का सृजन किया

भारत: आज अमेज़न इंडिया ने घोषणा करके बताया कि त्योहारों से पूर्व कंपनी ने अपने ऑपरेशंस के नेटवर्क में 110,000 नौकरियों के अवसरों का सृजन किया है। नौकरियों का सृजन करने की कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप, इन अवसरों में भारत में मुंबई, दिल्ली, पुणे, बैंगलोर, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और चेन्नई आदि शहरों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नौकरियां शामिल हैं। इन भर्तियों में से ज्यादातर लोग अमेज़न के एसोशियट्स के मौजूदा नेटवर्क में शामिल हो जाएंगे तथा उन्हें ग्राहकों के ऑर्डर सुरक्षित व प्रभावशाली तरीके से पहुंचाने के लिए पिक, पैक, शिप और आपूर्ति की प्रक्रिया में मदद करेंगे। इन नई भर्तियों में कस्टमर सर्विस एसोशिएट्स हैं, जिनमें से कुछ वर्चुअल कस्टमर सर्विस मॉडल का हिस्सा हैं। यह मॉडल अपने घर पर बैठकर काम करने का लचीलापन प्रदान करता है।

ये नौकरियां उन 8000 नौकरी के अवसरों के अलावा दी जा रही हैं, जिनकी घोषणा अमेज़न ने इस माह भारत में अपने पहले करियर डे के दौरान की थी। ये नौकरियां 2025 तक देश में नई नौकरियों के 1 मिलियन अवसरों का सृजन करने की अमेज़न इंडिया की प्रतिबद्धता की ओर अगला कदम है।

अखिल सक्सेना, वीपी- कस्टमर फुलफिलमेंट ऑपरेशंस, एपीएसी, मेना एवं लातम, अमेज़न ने कहा, ''त्योहारों के मौसम के दौरान देश के ग्राहक अपने ऑर्डर्स की सुरक्षित, भरोसेमंद एवं तीव्र डिलीवरी के लिए अमेज़न पर भरोसा करते हैं। 110,000 कर्मियों का अतिरिक्त कार्यबल हमें अपने फुलफिलमेंट, डिलीवरी एवं कस्टमर सेवा की क्षमता को मजबूत करने में मदद करेगा और ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ये भर्तियां हजारों लोगों को आजीविका एवं वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करेंगी। लोगों के हर कार्य में विविधता, समानता और समावेशन पर केंद्रित रहकर हम जीवन के हर क्षेत्र से सहयोगियों का स्वागत करते हैं, ताकि वो भारत में हमारे ग्राहकों और विक्रेताओं को त्योहारों पर एक बेहतरीन मौसम प्रदान करने में हमारी मदद कर सकें।''

कंपनी उन लोगों के लिए भी अवसरों का निर्माण कर रही है, जिनका अभी तक इस क्षेत्र में प्रतिनिधित्व बहुत कम था। इनमें विकलांग, महिलाएं, वरिष्ठ सैनिक एवं एलजीबीटीक्यूआईए. समुदाय शामिल हैं। इस साल भर्ती में पिछले साल के मुकाबले 50 प्रतिशत ज्यादा महिलाओं, लगभग 60 प्रतिशत ज्यादा विकलांगों और एलजीबीटीक्यूएआई. समुदाय के प्रतिनिधित्व में 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ समावेशी कार्यबल मजबूत हुआ है।

''प्लेटिनम सीज़न ऑफ होप'' का उद्देश्य इस मौसम प्लेटिनम ज्वेलरी की मांग बढ़ाना है

2020 में पहले संस्करण की सफलता के बाद, प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल ने अपना माह भर चलने वाला रिटेल अभियान, प्लेटिनम सीज़न ऑफ होप, 8 अक्टूबर, 2021 से 7 नवंबर, 2021 के बीच पुन: प्रस्तुत किया है। ग्राहक नई जीवनशैली के अभ्यस्त हो रहे हैं, एक बार फिर से जीवन के विशेष पलों की खुशी मनाने का नया जोश है। इन त्योहारों एवं शादियों के मौसम में ग्राहकों का उत्साह ऊँचा रहेगा और वातावरण में सकारात्मकता के साथ उम्मीद की किरण दिखेगी। प्लेटिनम सीज़न ऑफ होप अभियान बाजार में ऊर्जा का संचार कर देगा और देश में प्लेटिनम ज्वेलरी के लिए विकास के मार्ग को गति देगा। उपभोक्ता एवं ट्रेड मार्केटिंग प्रोग्राम के रूप में इसमें पूरे देश से 1250 से ज्यादा स्टोर हिस्सा लेंगे।

जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग कोविड-19 की दूसरी लहर से इस साल एक बार फिर से प्रभावित हुआ। लेकिन जून में बाजार खुलने के बाद देश में स्थिति में काफी सुधार देखा गया। इसके अलावा, हमारी शोध में कुछ उत्साहवर्धक चीजें देखने को मिलीं। शोध में सामने आया कि बहुमूल्य आभूषणों पर खर्च करने का युवा उपभोक्ताओं का रूझान मजबूत बना रहेगा और 66 प्रतिशत युवा आभूषणों पर खर्च करने के इच्छुक हैं। प्लेटिनम के उपभोक्ताओं के लिए बहुमूल्य आभूषण महत्वपूर्ण हैं। कई लोग ये आभूषण इसलिए खरीदते हैं क्योंकि ये अपना मूल्य बरकरार रखते हैं, व्यक्तिगत रूप से उपयोगी होते हैं और भावनाओं एवं संबंधों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पीजीआई ने अक्टूबर, 2020 में देश में प्लेटिनम ज्वेलरी की मांग बढ़ाने के लिए प्लेटिनम सीज़न ऑफ होप शुरू किया था। इसने व्यापारी समुदाय को प्रोत्साहन दिया क्योंकि अक्टूबर, 2020 के बाद से उपभोक्ता की मांग में वृद्धि हुई। इसमें भाग लेने वाले 1289 स्टोर्स के साथ, इस अभियान ने प्रतिभागी रिटेलर्स के लिए 2019 में इसी अवधि में 29 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर्ज की। सामरिक पार्टनर्स के लिए 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पीजीआई ने मार्च, 2021 में प्लेटिनम सीज़न ऑफ होप के पहले संस्करण के सफल प्रदर्शन के लिए रिटेल पार्टनर्स को पुरस्कृत भी किया।

सेहतमंद युवा भारत के लिए एमएसडी ने 9-वैलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन, गार्डेसिल 9 लॉन्च की

मुंबई। भारत में सेहतमंद युवा जनसंख्या में योगदान देने के अपने प्रयास में, मर्क शार्प एंड डोम (यूनाइटेड स्टेट्स और कैनेडा में मर्क एंड कंपनी, इंक के नाम से प्रसिद्ध) एमएसडी फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने आज, भारत की पहली जेंडर न्यूट्रल एचपीवी वैक्सीन - गार्डेसिल 9 के लॉन्च की घोषणा की। 9-वैलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस (टाईप 6, 11, 16, 18, 31, 33, 45, 52, और 58) वैक्सीन भारतीय लड़कियों एवं महिलाओं (9 से 26 साल) एवं भारतीय लड़कों (9 से 15 साल) के बीच वैक्सीन में मौजूद एचपीवी टाईप्स के कारण होने वाली बीमारी के भार एवं कैंसर को कम करने में मदद करेगी।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या विभाग के 'वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स: 2015 रिवीज़न' जनसंख्या डेटाबेस के अनुसार भारत में 10 साल से 24 साल की उम्र वर्ग के 229 मिलियन लोग हैं, जो दुनिया में सर्वाधिक है। भारत में दुनिया की कुल जनसंख्या के लगभग 20 प्रतिशत लोग रहते हैं और यह 2030 तक दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक होगा। इस सेगमेंट की प्राथमिकता स्वास्थ्य व बीमारी की रोकथाम हैं। एचपीवी वैक्सीनेशन भारत में एचपीवी से संबंधित कैंसर (महिला व पुरुषों में) का भार कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिसके सालाना लगभग 1.7 लाख मामले दर्ज होते हैं । मौजूदा अनुमान प्रदर्शित करते हैं कि हर साल लगभग 96,922 महिलाओं में सर्वाईकल कैंसर पाया जाता है और लगभग 60,078 महिलाएं इस बीमारी के कारण मौत का शिकार हो जाती हैं। सर्वाईकल कैंसर भारत में महिलाओं को होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है और 15 से 44 साल की महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे ज्यादा आम कैंसर है।

विश्व में एचपीवी बीमारी का अधिकांश भार 9 एचपीवी सेरोटाईप्स के कारण है। उनमें से कुछ भारत में और ज्यादा फैले हुए हैं। उदाहरण के लिए, भारत में सर्वाईकल कैंसर के 98.3 प्रतिशत मामलों, वुल्वर कैंसर के 95 प्रतिशत मामलों, वैजाइनल कैंसर के 77 प्रतिशत मामलों और गुदा के कैंसर के 70 प्रतिशत मामलों का कारण 7 एचपीवी सेरोटाईप्स हो सकते हैं । गार्डेसिल 9-वैलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस यूएसएफडीए से अनुमोदित एकमात्र वैक्सीन है, जो अमेरिका में पहली बार सन 2015 में लॉन्च की गई और यह दुनिया के 80 से ज्यादा देशों में इससे भी पहले अनुमोदित की जा चुकी है। यह वैक्सीन एचपीवी के 9 टाईप्स (टाईप 6, 11, 16, 18, 31, 33, 45, 52, और 58) से सुरक्षा देती है। यह वैक्सीन महिलाओं में सर्वाईकल कैंसर, वुल्वर कैंसर, वैजाईनल कैंसर, और गुदा के कैंसर के भार को कम करती है। यह जन स्वास्थ्य की समस्या के रूप में सर्वाईकल कैंसर का विश्व से उन्मूलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एचपीवी से संबंधित कैंसर और बीमारियां पुरुषों को भी प्रभावित कर सकती हैं। गार्डेसिल 9-वैलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन लड़कों (9 से 15 साल के) को जेनिटल वार्ट्स, एनाल इंट्रएपिथियिल नियोप्लेसिया, एनाल कैंसर एवं प्रिकैंसेरस या डिसप्लास्टिक घाव की रोकथाम के लिए अनुशंसित की गई है।

सोनी ने क्रिएटर्स के फंक्शनैलिटी लिए अल्फा झेडव्ही- ई10, नया इंटरचेंजेबल - लेन्स कैमरा पेश किया

नई दिल्ली। वीलॉगर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए सोनी इंडिया ने आज वीलॉगर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए उपयुक्त बनाई गई खूबियों से लैस एक कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल मिररलेस कैमरा - नया अल्फा झेडव्ही- ई10लांच किया। इस नए कैमरे में सोनी की उन्नत इमेजिंग तकनीक का मेल अत्यधिक उपयोगिता, और अनुकूलित विशेषताओं के सेट से किया गया है जो क्रिएटर्स के लिए अनुकूल बनाई गई हैं।

अल्फा झेडव्ही- ई10की मुख्य विशेषताओं में एक 24.2-मेगापिक्सेल (लगभग प्रभावी) APS-C एक्समोर CMOS सेंसर और BIONZ X इमेज प्रोसेसिंग इंजन शामिल है जो बेहद संवेदनशीलता, विस्तृत बारीकियों के चित्रण और खूबसूरत प्राकृतिक बुके के साथ हाई-क्वॉलिटी की इमेजरी निर्मित करता है। इसके अलावा, लोकप्रिय डिजिटल कैमरे ZV-1 में शामिल, प्रतिष्ठित वीडियो-अनुकूल विशेषताओं को अल्फा झेडव्ही- ई10में भी दिया गया है जिनमें "बैकग्राउंड डिफोकस" जो कि ब्लर (बुके) और शार्प बैकग्राउंड के बीच सहज तरीके से स्विच कर सकता है तथा "प्रोडक्ट शोकेस सेटिंग" मोड, जो कैमरे के फोकस को सब्जेक्ट के चेहरे से, अन्य किसी ऑब्जेक्ट पर अपने-आप शिफ्ट कर सकता है, जिसे हाइलाइट किया जाना हो। "आज के क्रिएटर्स की क्रिएटिव उत्कृष्टता की बढ़ती माँग पूरी करने के लिए, सोनी ने नवीनतम इंटरचेंजेबल - लेन्स कैमरा, अल्फा झेडव्ही- ई10पेश किया है," ऐसा श्री मुकेश श्रीवास्तव, हेड, डिजिटल इमेजिंग बिजनेस, सोनी इंडिया ने बताया। "नया Alpha ZV-E10, एक बड़े-सेंसर वाले इंटरचेंजेबल लेन्स कैमरे की इमेज क्वॉलिटी में बहुउपयोगिता और उत्कृष्टता का संगम है, जिसमें स्टिल और वीडियो के लिए खासतौर से डिज़ाइन की गई उपयोक्ता-अनुकूल विशेषताओं की पेशकश, इसे उन क्रिएटर्स के लिए सबसे बेहतरीन साथी बनाती हैं जो एक अधिक उन्नत सेटअप को अपनाने की चाहत रखते हैं।"

पहली बार गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम, ऑस्ट्रेलिया से होगा 15 साल बाद सामना

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और आखिरी एक दिवसीय मैच में मिली जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब गुरूवार से मेजबान के खिलाफ शुरू हो रहे दिन रात के अपने पहले टेस्ट में उसी लय को कायम रखना चाहेगी। > तीसरा वनडे रविवार को खेला गया और सोमवार को विश्राम का दिन था तो मिताली राज की टीम को इस टेस्ट की तैयारी के लिये दो ही सत्र मिले। वनडे श्रृंखला में भारत को 1-2 से पराजय झेलनी पड़ी थी। भारतीय टीम पहली बार गुलाबी गेंद से खेल रही है लिहाजा खिलाड़ियों को तनिक भी आभास नहीं है कि चमकदार गुलाबी गेंद का क्या असर होग।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन रात का एकमात्र टेस्ट नवंबर 2017 में खेला थ । उसे भी अभ्यास का ज्यादा मौका नहीं मिल सका लेकिन मेट्रिकॉन स्टेडियम की हरी भरी पिच पर उसके तेज गेंदबाज कहर बरपा सकते हैं।

भारत ने सात साल बाद पहला टेस्ट खेलते हुए जून में इंग्लैंड को ड्रॉ पर रोका था । खिलाड़ियों और विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि गुलाबी गेंद की चुनौती काफी कठिन होगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी टेस्ट 2006 में खेला था। दोनों टीमों की मौजूदा खिलाड़ियों में सिर्फ मिताली राज और झूलन गोस्वामी ही हैं जो वह टेस्ट खेल चुकी हैं।

भारत की पूर्व कप्तान और बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य शांता रंगास्वामी ने कहा ,'' मैं इसे भारतीय टीम की अग्निपरीक्षा कहूंगी। खिलाड़ियों ने पिछले तीन चार साल में लाल गेंद से ही कम खेला है । दिन रात का टेस्ट तो बिल्कुल ही अलग है और चुनौती काफी कठिन है।''

उन्होंने कहा ,'' ऑस्ट्रेलिया के पास टेस्ट क्रिकेट का अनुभव अधिक है लेकिन उनके खिलाड़ियों ने भी हाल में अधिक मैच नहीं खेले हैं। भारत ने वनडे श्रृंखला में दिखा दिया है कि आस्ट्रेलिया को हराया जा सकता है।''

हरमनप्रीत कौर की फिटनेस पर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है हालांकि उन्होंने नेट अभ्यास किया। वनडे श्रृंखला में प्रभावी पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज मेघना सिंह, बल्लेबाज यस्तिका भाटिया को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है।

अनुभवी झूलन , मेघना और पूजा वस्त्रकार तेज आक्रमण का जिम्मा संभालेंगे जबकि स्पिन गेंदबाजी का दारोमदार स्नेह राणा और दीप्ति शर्मा पर होगा। विकेटकीपर तानिया भाटिया की वापसी तय है जबकि वनडे श्रृंखला से बाहर रही पूनम राउत भी खेल सकती

हैं।

दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया को मैच से पहले झटका लगा चूंकि उनकी उपकप्तान रशेल हैंस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गई। कप्तान मेग लानिंग ने कहा कि टीम तेज गेंदबाजी हरुनमौला या विशेषज्ञ बल्लेबाज को उनकी जगह उतारेगी। वनडे में अच्छा प्रदर्शन करने वाली अन्नाबेल सदरलैंड को मौका मिल सकता है।

हरमनप्रीत और जेमिमा ने मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ किया अनुबंध

मेलबर्न (एजेंसी)।

भारतीय महिला टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम की साथी खिलाड़ी जेमिमा रॉड्रिग्स ने बुधवार को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) की टीम मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ आगामी सीजन के लिए करार किया।

32 वर्षीय हरमनप्रीत वर्तमान में एक बहु-प्रारूप सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही हैं। वह सबसे आक्रमक खिलाड़ियों में से एक है।

227 अंतरराष्ट्रीय खेलों का अनुभव रखने वाली हरमनप्रीत ने कहा कि वह सिडनी थंडर के साथ पिछले कार्यकाल के बाद डब्ल्यूबीबीएल में वापसी को लेकर उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, रेनेगेड्स की टीम के लिए यह मेरा पहला सीजन होगा। मुझे उम्मीद है कि यह सीजन हमारे लिए वास्तव में शानदार होगा। यह उनके साथ मेरा पहला सीजन है और मैं निश्चित रूप से शानदार प्रदर्शन करना चाहती हूं। जब भी मैंने डब्ल्यूबीबीएल खेला है, मैंने कई प्रशंसकों के उत्साह को देखा है और यहां तक कि इनमें बहुत सारे भारतीय प्रशंसक हैं। यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहेगा। मुझे खुशी है कि मैं इस महान टूर्नामेंट का हिस्सा हूं।

राइजिंग भारतीय स्टार रॉड्रिग्स, जिन्हें बुधवार को डब्ल्यूबीबीएल -7 के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स द्वारा साइन किया गया, वह पहले ही द हंड्रेड में एक शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। वह 150 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से 249 रन बनाकर सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर रहीं।

रॉड्रिग्स ने कहा, मैं रेनेगेड्स का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मेरे लिए, यहां पर मुख्य लक्ष्य सिर्फ क्रिकेट खेलना है जो मैं लगातार कर रही हूं और उसका आनंद ले रही हूं। मैं आने वाले सत्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।

आईपीएल 2021: दिल्ली के कप्तान पंत ने सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शारजाह में हुए आईपीएल 2021 के मुकाबले के दौरान कप्तान ऋषभ पंत ने वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड तोड़कर दिल्ली कैपिटल्स के लिए उपलब्धि हासिल की। पंत ने मंगलवार को हुए मुकाबले के दौरान 38 रन बनाए और दिल्ली के पूर्व कप्तान सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ा। सहवाग ने फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए 85 पारी में सर्वाधिक 2382 रन बनाए हैं। लेकिन पंत ने 75 पारी में 2390 रन बनाकर सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दिल्ली के पूर्व कप्तान श्रेयस अय्यर 82 पारी में 2291 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि शिखर धवन 58 पारियों में 1933 रन बनाकर इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। दिल्ली के टीम मैनजमेंट को उम्मीद है कि धवन, अय्यर और पंत इस सीजन में लगातार ऐसे ही खेलेंगे और टीम को पहली बार विजेता बनाने में मदद करेंगे।

अगले दो टी20 विश्व कप के लिए रोहित कप्तानी के लिए मेरी पसंद होंगे: गावस्कर

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा को अगले दो टी 20 विश्व कप के लिए भारत का कप्तान बनाना चाहिए। गावस्कर ने साथ ही कहा कि वह लोकेश राहुल और ऋषभ पंत को टी 20 प्रारूप का उपकप्तान बनने के रूप में अपनी पसंद के तौर पर देखते हैं। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, मेरे ख्याल से अगले दो विश्व कप के लिए रोहित कप्तान होने चाहिए। आप ऐसा कह सकते हैं क्योंकि विश्व कप लगातार होने हैं। एक अगले महीने होना है और दूसरा अगले साल होना है। आप ऐसे समय ज्यादा कप्तान नहीं बदलना चाहेंगे। इन दोनों टी 20 विश्व कप के लिए कप्तान के रूप में रोहित मेरी पसंद होंगे। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2018 में निदहास ट्रॉफी और एशिया कप जीता था। गावस्कर ने इसके साथ ही टीम के उपकप्तान के रूप में राहुल और पंत का नाम लिया। गावस्कर ने कहा, मैं राहुल को उपकप्तान के तौर पर देखता हूं। पंत भी मेरे दिमाग में हैं क्योंकि उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व अच्छे से किया है और वह एनरिच नॉर्त्जे और कैगिसो रबादा का सही तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। राहुल और पंत ऐसे दो खिलाड़ी हैं जिन्हें मैं उपकप्तान के तौर पर देखता हूं।

सूर्यकुमार और ईशान को विश्व कप भूल कर मुंबई को जीत दिलाने पर ध्यान देना होगा: लारा

मुंबई। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का एक और साधारण प्रदर्शन और ईशान किशन के टीम से बाहर हो जाने के बाद वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी ब्रायन लारा ने कहा है कि मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी या तो भारतीय टीम में चयन होने के दबाव में हैं या उनकी जीत की भूख खत्म हो चुकी है। मुंबई इंडियंस ने मंगलवार को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया, लेकिन सूर्यकुमार का खराब प्रदर्शन जारी रहा जबकि प्रदर्शन संबंधी मुद्दों के कारण ईशान को एकादश से बाहर कर रखा गया था।

भारतीय स्पिनर कुलदीप की घुटने की सर्जरी हुई

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव की बुधवार को घुटने की सफल सर्जरी की गई।

कुलदीप ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बायो बबल से निकलने के बाद घुटने की सर्जरी पर अपडेट दिया। सर्जरी के बाद अपनी तस्वीर पोस्ट कर 26 वर्षीय गेंदबाज ने लिखा, सर्जरी सफल रही और स्वस्थ होने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आप सभी का समर्थन करने के लिए धन्यवाद। मेरा ध्यान अब रिहेब पूरा कर जल्द से जल्द पिच पर वापसी करने पर केंद्रित है। घुटने की सर्जरी और रिहेबिलिटेशन पीरियड का मतलब है कि कुलदीप को थोड़ा समय लग सकता है, विशेषकर तब जब 30 अक्टूबर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के साथ सीनियर पुरुष घरेलू सीजन की शुरूआत होनी है। कुलदीप 2019 क्रिकेट विश्व कप तक भारतीय एकादश का अहम हिस्सा थे और उनकी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ी चल रही थी। कुलदीप टीम से बाहर होने के अलावा बीसीसीआई के केंद्रिय अनुबंध की सूची में ग्रेड ए से ग्रेड सी में आ गए। कुलदीप ने भारत के लिए इस साल जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवर की सीरीज में हिस्सा लिया था।

अच्छे स्थान पर नहीं होने के बावजूद टीम लड़ने के लिए तैयार: रोहित

अबु धाबी (एजेंसी)।

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम भले ही आईपीएल के इस सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के मामले में अच्छे स्थान पर नहीं है, लेकिन उसके खिलाड़ी लड़ाई के लिए तैयार हैं।

मुंबई ने मंगलवार को पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया था। दूसरे चरण में मुंबई की यह पहली जीत थी। इस जीत के साथ ही गत विजेता टीम ने प्लेऑफ में जाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। रोहित ने कहा, एक टीम के रूप में हम अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेले, लेकिन ये चीजें तब होती हैं जब आप ऐसे प्रारूप में खेलते हैं जहां आप वास्तव में कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे होते हैं। टीम के भीतर रहना और एक दूसरे के साथ रहना महत्वपूर्ण है। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। हां, हमारे पास वह स्कोर नहीं था जो हम पसंद करते हैं लेकिन हम कई बार इस स्थिति में रहे हैं इसलिए हम इससे आत्मविश्वास ले सकते हैं। हमारे पास टीम में मौजूद खिलाड़ी लड़ने के लिए तैयार हैं। रोहित ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के 30 गेंदों पर नाबाद 40 रन की पारी से खुश हैं।

रोहित ने कहा, हार्दिक ने जिस तरह से स्थिति को समझा वो टीम के नजरिए से और खुद के लिए भी महत्वपूर्ण था। यह महत्वपूर्ण है कि उन्होंने बीच में कुछ समय बिताया। ईशान किशन को बाहर करना बहुत कठिन था, लेकिन एक टीम के रूप में हमें लगा कि हमें कहीं न कहीं एक मौके की जरूरत है। लेकिन जब आप उनसे बात करते हैं तो वह काफी भरोसे में नजर आते है। सौरभ तिवारी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने सीएसके के खिलाफ 50 रन बनाए। हम किसी ऐसे व्यक्ति को चाहते थे जो इधर-उधर हो सके, और उन्होंने उस भूमिका को बखूबी निभाया। मैं किसी को बाहर नहीं कर रहा हूं, हम चाहते हैं कि ईशान वापस फॉर्म में आएं और टीम के लिए खेलें। उन्होंने कहा, कीरोन पोलार्ड हमारे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक हैं। इतने सालों तक मुंबई टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्हें गेंद या बल्ला दो, वह काम करने के लिए तैयार हैं। वे दो विकेट (लोकेश राहुल और क्रिस गेल) महत्वपूर्ण थे।

पीसीबी ने सीईओ पद से वसीम खान का इस्तीफा स्वीकार किया

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वसीम खान का सीईओ पद से इस्तीफा बुधवार को सर्वसहमति से स्वीकार कर लिया।

वसीम का तीन साल का अनुबंध खत्म होने में चार महीने का समय शेष था। रमीज राजा के पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में यह पहला बड़ा डेवलप्मेंट है। इससे पहले, इसी महीने टीम के मुख्य कोच मिस्बाह उल-हक और गेंदबाजी कोच वकार यूनिस ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दिया था।

पीसीबी की बैठक के बाद रमीज ने बयान जारी कर कहा, पीसीबी के साथ

अपने समय के दौरान, वसीम ने उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान किया। विशेष रूप से कोरोना महामारी के प्रकोप के बाद जब बहुत कम जानकारी उपलब्ध थी और यह सुनिश्चित करने के लिए सटीक निर्णय लेने की आवश्यकता थी कि क्रिकेट अप्रभावित रहे और घरेलू स्तर पर खेला जाता रहे। पीसीबी वसीम के अच्छे नेतृत्व के लिए उनका आभारी है और हम उनकी भविष्य की योजनाओं के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। वसीम ने बयान जारी कर कहा, यह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की सेवा करने के लिए एक सम्मान और विशेषाधिकार रहा है और पिछले दो वर्षों के दौरान श्रीलंका के साथ रावलपिंडी और कराची में टेस्ट खेलने के साथ टेस्ट क्रिकेट की बहाली और पाकिस्तान सुपर लीग की घर वापसी को देखना बेहद संतोषजनक रहा है। उन्होंने कहा, जब मैं 2019 में आया तो उस वक्त रिश्ते बनाना काफी जरूरी था। निर्णायक और रणनीतिक निर्णय लेने के साथ, विशेष रूप से कोरोना महामारी के दौरान, हम वैश्विक क्रिकेट का सम्मान अर्जित करने में सफल रहे, जिससे मुझे उम्मीद है कि भविष्य में पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी बढ़ेगी।

लियोनेल मेस्सी ने पीएसजी में अपना पहला गोल दागा, मैनचेस्टर सिटी को 2-0 से हराया

पेरिस। लियोनेल मेस्सी ने पेरिस सेंट जर्मेन के लिये पहला गोल दागा जिसकी बदौलत टीम ने चैम्पियंस लीग ग्रुप चरण में मैनचेस्टर सिटी को 2 . 0 से हराया। छह बार के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने 74वें मिनटमें गोल दागा जिसके लिये उन्हें फ्लिक काइलियान एमबाप्पे से मिली थी। जीत के बाद मेस्सी ने कहा ,'' मुझे खुशी है कि गोल कर सका। मैंने हाल ही में ज्यादा नहीं खेला है और नयी टीम के साथ धीरे धीरे तालमेल बन रहा है। जितना ज्यादा साथ खेलेंगे, उतना ही बेहतर प्रदर्शन होगा।'' मेस्सी ने बार्सीलोना के लिये 672 गोल किये लेकिन पीएसजी के लिये तीन मैचों में उनका यह पहला गोल था। सिटी की पीएसजी के खिलाफ पिछले पांच मैचों में यह पहली बार थी। पीएसजी ग्रुप ए में गोल औसत के आधार पर शीर्ष पर है। क्लब ब्रुजे और पीएसजी के समान चार अंक है जबकि सिटी तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

हिसार में 21 से 27 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी 5वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप

नई दिल्ली। जूनियर, युवा और पुरुषों की राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सफल समापन के बाद, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने 21 से 27 अक्टूबर के बीच एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन करने का फैसला किया है और इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस प्रतिष्ठित आयोजन का पांचवां संस्करण हिसार के सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल में खेला जाएगा। यह आयोजन कोविड-19 महामारी के कारण एक वर्ष से अधिक समय के अंतराल के बाद एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की वापसी को भी चिह्नित करेगा। यह घरेलू मुक्केबाजों को अपने दमखम का प्रदर्शन करने का एक बड़ा अवसर भी प्रदान करेगा। मुक्केबाजों के पास इस आयोजन के माध्यम से इस साल के अंत में होने वाली आगामी एआईबीए विश्व चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह बनाने का मौका होगा। विश्व चैम्पियनशिप के लिए टीम चुनने से पहले राष्ट्रीय चयन समिति इस आयोजन में मुक्केबाजों के प्रदर्शन पर विचार करेगी। टूर्नामेंट एआईबीए के संशोधित 12 भार वर्गों के अनुसार ही खेला जाएगा। ये भार वर्ग 48 किग्रा, 50 किग्रा, 52 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 66 किग्रा, 70 किग्रा, 75 किग्रा, 81 किग्रा और प्लस 81 किग्रा हैं। टूर्नामेंट के लिए नम्बर के आधार पर पंजीकरण की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर और नाम के आधार पर पंजीकरण की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर नाम होगी। टूर्नामेंट का ड्रा 20 अक्टूबर की शाम को निकाला जाएगा। चैंपियनशिप में भाग लेने वाले सभी मुक्केबाजों, टीम के अधिकारियों, कोचों और तकनीकी अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर उनके आगमन के 72 घंटे के भीतर किए गए कोरोना टेस्ट की एक निगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट, बारकोड के साथ प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

20 लाख में खरीदे गए सचिन के बेटे अर्जुन तेंदुलकर बिना 1 मैच खेले आईपीएल 2021 से हुए बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुंबई इंडियन्स ने युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर के चोटिल होने के कारण उनके स्थान पर सिमरजीत सिंह को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे मैचों के लिये अपनी टीम में शामिल किया है।

बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे हैं और मौजूदा चैंपियन मुंबई ने उन्हें इस साल के शुरू में अपनी टीम से जोड़ा था।

मुंबई इंडियन्स की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, ''मुंबई इंडियन्स ने आईपीएल 2021 के बाकी सत्र के लिये चोटिल अर्जुन तेंदुलकर की जगह सिमरजीत सिंह को अपनी टीम से जोड़ा है।''

इसमें कहा गया है, ''दायें हाथ के तेज गेंदबाज सिमरजीत ने आईपीएल दिशानिर्देशों के अनुसार अनिवार्य पृथकवास पूरा करने के बाद टीम के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है।'

20 लाख था अर्जुन का बेस प्राइस

अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2021 की नीलामी में मुंबई इंडियन्स ने 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था।नीलामी के ठीक अंत में अर्जुन तेंदुलकर के नाम की घोषणा हुई और मुंबई की टेबल पर बैठे जहीर खान ने उनको टीम में लेने के लिए बोली लगाई। किसी दूसरे फ्रैंचाइजी के बोली न लगाने पर अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियन्स ने 20 लाख में खरीद लिया था।

21 साल के अर्जुन ने हाल में मुंबई की सीनियर टीम की ओर से पदार्पण किया जब वे हरियाणा के खिलाफ राष्ट्रीय टी-20 चैंपियनशिप सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में खेले। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने मुंबई के लिए टी-20 प्रारुप में दो मैच खेलते हुए 3 रन बनाने के अलावा 2 विकेट चटकाए हैं। सैयद मुश्ताक अली खेलने के बाद ही अर्जुन आईपीएल में पंजीकरण के लिए योग्य हो गए थे।

अर्जुन को पहले भारतीय राष्ट्रीय टीम के बल्लेबाजों को नेट पर गेंदबाजी करते हुए देखा गया है। वे श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम की अगुवाई कर चुके हैं।

मुंबई ने खरीदा था तो अर्जुन हुए थे ट्रोल

आईपीएल 2021 की नीलामी लिस्ट में जब अर्जुन तेंदुलकर का नाम आया था , तो उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया था। अर्जुन के नीलामी में खरीदे जाने के बाद से ट्रोलिंग और भी बढ़ गई थी। अर्जुन को ट्रोल करते हुए फैन्स ने कहा था कि

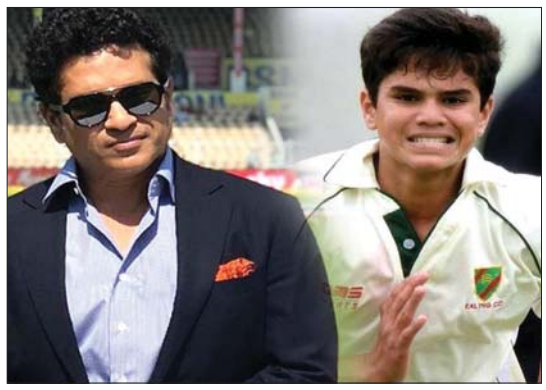

उन्हें तेंदुलकर सरनेम की वजह से खरीदा गया है।

इस पर अर्जुन की बहन सारा तेंदुलकर ने इंस्टाग्राम के जरिए अर्जुन की आलोचना करने वालों को जवाब दिया था। सारा ने इंस्टाग्राम के जरिए भाई अर्जुन को बधाई दी थी और साथ ही कड़े शब्दों में लिखा था, ÷कोई भी तुमसे यह उपलब्धि नहीं छीन सकता है, यह तुम्हारा है। मुझे तुम पर गर्व है।÷सारा ने यह शब्द अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखे थे।

केकेआर के खिलाफ हार के बावजूद कई सकारात्मक चीजें हुईं : दिल्ली कैपिटल्स कोच

शारजाह। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार के बाद कहा है कि किसी भी चीज से ज्यादा मायने टीम का प्रयास करना रखता है। दिल्ली को कोलकाता के खिलाफ मंगलवार को हुए मुकाबले में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। आमरे ने कहा, हमें पता है कि आईपीएल में उतार-चढ़ाव आते हैं और हमें ऐसे मुकाबले भी मिलते हैं। हालांकि, कोचिंग ग्रुप टीम के प्रयास से खुश है। कठिन स्थिति के बावजूद ऋषभ पंत आखिरी ओवर तक डटे रहे जिसने हमें लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचने में मदद की। गेंदबाजी में भी हमारे खिलाड़ियों ने अच्छा किया और यह सुनिश्चित किया कि केकेआर आसानी से लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा, आवेश खान (3/13) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की। यह मैच के सकारात्मक पहलू हैं। हम देख सकते हैं कि खिलाड़ी दबाव में प्रदर्शन कर रहे हैं।

लिंबायत जोन के संचालक बने अवैध बांधकाम करनेवाले भू-माफिया

एक शटर लगानेवाले मिलकत मालिक को मनपा द्वारा नोटीस देकर सील मार दिया जाता हैं, फिर इतना बड़ा बांधकाम क्यों नहीं दिखाई देता?

सूरत भूमि, सूरत। सूरत महानगर पालिका के अंतर्गत आए लिंबायत जोन के वार्ड नं. 27 (डिंडोली-दक्षिण) में बाबा मेमोरियल हॉस्पिटल पर हो रहे अवैध बांधकाम पर लिंबायत जोन के अधिकारियों द्वारा क्यों कार्यवाही नहीं की जा रही है? क्या उनके ऊपर राजनीतिक दबाव है या फिर कुछ और ही वजह है? क्योंकि अनगिनत फरियाद होने के बावजूद लिंबायत जोन के कार्यपालक द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है इसका क्या मतलब है या यूं कहें कि लिंबायत जोन का संचालन इन अवैध बांधकाम करने वाले भू माफियाओं के हाथ में है या फिर राजनीतिक पार्टियों के हाथ में है क्योंकि लोगों में ऐसी बाते कही जा रही है की अगर हम एक शटर भी लगाते हैं तो लिंबायत जोन के अधिकारी आकर नोटिस देकर सील मारने की धमकी देते हैं तो फिर इतना बड़ा हॉस्पिटल का काम चल रहा है तो इसको क्यों नहीं सील मार रहे हैं विस्तार में इस तरह की चर्चाएं हो रही है कि नेता और अधिकारी इस अवैध बांधकाम को बढ़ावा दे रहे है।

सात महीने में वैक्सीन के ८.३३ लाख डोज खराब हुए

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा का मानसून सत्र का आज पहला दिन है। विधानसभा का मानसून सत्र के पहले ही दिन १ घंटे तक प्रश्नकाल हुआ। जिसमें विरोधी पक्ष की ओर से सरकार से सवाल पूछे गए। विरोधी पक्ष द्वारा नई सरकार को घेरने का प्रयास किए जाने के बाद कोरोना के केस, मौत, टीकाकरण के डोज खराब होने तथा कमजोर कार्यप्रणाली सहित अनेक प्रश्न पूछे गए। विधानसभा में विपक्ष नेता परेश धानाणी ने कहा कि कोरोना महामारी में गुजरात में स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की कमजोरी सामने आई है। साबरकांठा जिले में कोरोना के कारण मृतकों की संख्या गृह में २३५ बताई गई लेकिन कांग्रेस ने आरटीआई में मांगे गए जवाब में स्पष्ट हुआ है कि साबरकांठा के सिर्फ ५ नगरपालिकाओं में २१९ लोगों की मृत्यु हुई है। गृह में सरकार ने ३८६४ लोगों की कुल मृत्यु होने का जिक्र किया है जबकि स्वास्थ्य विभाग ने १००८१ बताए है। १६ हजार बच्चे कोरोना काल में अनाथ हुए है। १०६ नगरपालिकाओं में आरटीआई के अनुसार जनवरी २०१९ से फरवरी २०२१ तक ८७७७३, मार्च २०२० से १० मई २०२१ तक १.२५ लाख लोगों की मृत्यु हुई है। विधानसभा प्रश्नोत्तरी काल में विधायक गेनीबेन ठाकोर ने सवाल पूछते हुए कहा कि राज्य में कोरोना में एक मां और एक पिता गंवाने वाले बच्चों की संख्या १०८२७ है, जबकि कोरोना के कारण मां और पिता दोनों गंवाने वाले बच्चों की संख्या २११ के करीब है। माता-पिता दोनों गंवाने वाले ४ हजार सहायता और एक पिता और एक मां गंवाने वाले को २ हजार सहायता की घोषणा की गई है। वहीं दूसरी ओर सरकार ने विधानसभा प्रश्नोत्तरी में अलग-अलग विधायकों के प्रश्नों में अलग अलग जिलों के पंजीकृत मौतों के आंकड़े बताए गए। राज्य में पिछले दो सालों में कोरोना के कारण ३३ जिलों में ३६७४ मृत्यु दर्ज है, ३३ जिलों में ३६७४ लोगों की मौत कोरोना से हुई है। टीकाकरण के मुद्दे पर खराब होने की बात राज्य सरकार ने स्वीकार की है। जनवरी से जुलाई २०२१ के दौरान केंद्र सरकार ने ३.१९ करोड़ डोज दिए थे। राज्य सरकार ने जुलाई महीने तक ३.३२ करोड़ लोगों को डोज दिए है। टीका वायल खोलने के बाद चार घंटे तक इस्तेमाल करना होता है। समय बीत जाने पर डोज खराब हो जाने का जवाब विधायक पूंजाभाई वंश के सवाल पर सरकार ने लिखित में दिया है। विधानसभा में सरकार ने स्वीकार किया है कि इस साल के ७ महीने में ८,३३,४६६ टीकाकरण का डोज बिगड़ा है, जिसमें जनवरी २०२१ से जुलाई तक कोविशिल्ड के ५,१३,७६१ टीके के डोज बिगड़े और कोवैक्सीन के ३,१९,७०५ डोज टीके के फेल हुए है।

हिंदुत्व का मतलब दार्शनिक अलौकिक और राष्ट्रीयता है

कुछ समय पहले उन्होंने हिंदुत्व पर ही एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था की भारत के हिंदू व मुसलमान का डीएनए एक है

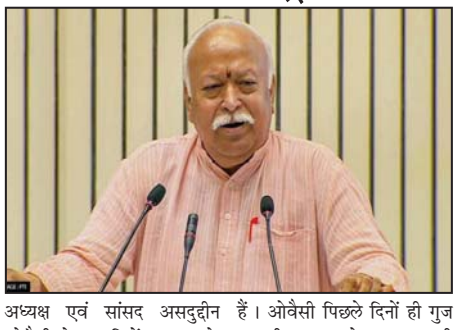

सूरत। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि हिंदुत्व का मतलब दार्शनिक अलौकिक और राष्ट्रीयता है। गुजरात की तीन दिल से यात्रा पर सूरत पहुंचे मोहन भागवत ने प्रबुद्ध जन गोष्ठी में स्थानीय लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि हिंदुत्व एक वृहद तथा समावेशी विचार है। हिंदुत्व अपने आप में एक परिपूर्ण विचारधारा है। सिंधु नदी से दक्षिण में हिंद महासागर के समुद्र तट तक रहने वाले सभी लोग हिंदू हैं। दार्शनिक अलौकिक एवं राष्ट्रीयता की सही व्याख्या ही हिंदुत्व है। मोहन भागवत मंगलवार से गुरुवार तक गुजरात में रहेंगे तथा सामाजिक राजनीतिक धार्मिक सांस्कृतिक आर्थिक जगत के विविध लोगों से उनकी मुलाकात होगी। गुजरात में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं ऐसे में भागवत की यात्रा के कई निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होंसबोले भी ३ दिन की गुजरात यात्रा पर आए थे। संघ नेताओं की गुजरात यात्रा को आगामी विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है लेकिन विश्व हिंदू परिषद गुजरात के प्रचार प्रमुख बताते हैं कि संघ की ओर से साल भर समाज, संस्कृति, धर्म तथा राष्ट्रीयता जैसे विषयों पर कार्यक्रम चलते रहते हैं। भागवत व अन्य नेताओं की यात्रा भी पूर्व नियोजित थी इससे चुनाव का कोई वास्ता नहीं है। इससे पहले मोहन भागवत कई अवसरों पर यह कह चुके हैं कि भारत में रहने वाले सभी लोग हिंदू हैं इसके अलावा कुछ समय पहले उन्होंने हिंदुत्व पर ही एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था की भारत के हिंदू व मुसलमान का डीएनए एक है।

भागवत के इस बयान को लेकर कई संगठनों व उनके नेताओं की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की गई थी। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गत दिनों भागवत के डीएनए वाले बयान पर कहा था कि इस मुद्दे पर एक बहस होनी चाहिए तथा राष्ट्रीय स्तर पर संघ व अन्य विचारधारा के संगठनों के नेताओं को चर्चा करनी चाहिए। गुजरात में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं तथा भाजपा कांग्रेस आम आदमी पार्टी तथा एआईएमआईएम अपनी अपनी ओर से चुनाव की तैयारियों में लगे हैं। ओवैसी पिछले दिनों ही गुजरात की यात्रा पर थे वह साबरमती जेल में बंद माफिया डान अतीक अहमद से मिलने जाना चाहते थे लेकिन गुजरात पुलिस ने इसकी मंजूरी नहीं दी थी। अहमदाबाद महानगरपालिका के कांग्रेस पार्षद शहजाद खान ने उनसे होटल पहुंचकर मुलाकात की जिसके बाद कांग्रेस पार्षदों के ए आई एम आई एम में शामिल होने की चर्चाएं शुरू हो गई थी।

चौथ का क्षय होने से इस बार नवरात्रि आठ दिन की

अहमदाबाद। कोरोना महामारी को ध्यान में रखकर गत वर्ष नवरात्रि का आयोजन रद्द किया गया। हालांकि, पिछले कई दिनों से कोविड-१९ के केस में एकदम कमी होने पर सरकार ने गरबा का आयोजन करने की मंजूरी दी है। दो वर्ष के बाद नवरात्रि का आयोजन हो रहे होने से खेलैया खुश है और उन्होंने तैयारी भी शुरू कर दी है। हालांकि, इस वर्ष में तिथि के संयोग के बीच चौथ का क्षय होने से नवरात्रि में एक दिन कम होगी यानी कि नौ दिन नहीं सिर्फ ८ ही दिन खेलने को मिलेगा। ७ अक्टूबर से १४ अक्टूबर तक नवरात्रि मनाया जाएगा। इसके अलावा विशेष करके माता के मंदिरों में भी अनोखी रोनक देखने को मिलेगी। इस वर्ष चौथ के क्षय के साथ ही त्रीज और चौथ एक ही दिन में ९ अक्टूबर को मनाया जाएगा। गुरुवार को ७ अक्टूबर को आसो सुद होने के साथ ही शारदीय नवरात्रि की शुरूआत होगी। घट स्थापना, दीप स्थापना, कलश स्थापना मुहूर्त के लिए सूर्योदय के अनुसार शुभ मुहूर्त सुबह में ६.३० से ८ बजे तक का है। १३ अक्टूबर को बुधवार को सुबह में आसो सुद आठम के साथ ही उपवास तथा हवनाष्टमी, हवन पूजा कर सकेंगे। आसो महीने के प्रारंभ के साथ ही प्रथम नौ दिन का नवरात्रि पर्व होता है। हालांकि, इस वर्ष में चौथ का क्षय होने से ९ अक्टूबर, शनिवार को सुबह में ७.४७ बजे तक ही त्रीज है और बाद में चौथ है। इसी वजह से विनायक चौथ शनिवार को ही करना होगा। १२ अक्टूबर को मंगलवार पूरा दिन सातम है। उसी दिन रात को ९.४९ बजे से आठम शुरू होता है। बुधवार को १३ अक्टूबर की रात को ८.०८ बजे तक आठम के साथ महाष्टमी, हवनाष्मी को मनाया जाएगा। ज्योतिष के बताये अनुसार ७ अक्टूबर को चित्रा नक्षत्र, वैधृति योग, बालव करण और चंद्र की कन्या राशि में नवरात्रि की शुरूआत होगी। गुरुवार को चित्रा नक्षत्र रात के ९.१३ बजे तक ही है जबकि वैधृति योग देर रात को १.४० बजे तक है। ८ दिन के बाद १४ अक्टूबर को महानवमी के साथ ही शारदीय नवरात्रि की समाप्त होगी।

सूरत भूमि, सूरत। प.पू. गच्छाधिपति आ.भ.श्री अभयदेवसुरिश्वर म.सा. तथा प.पू.आ.भ.श्री मोक्षरत्नसुरी म.सा. के दर्शन की इच्छा से आर एस एस के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत का सूरत के गुरुराम पवन भूमि में आज आगमन हुआ। इस अवसर पर गुरुराम पवन भूमि शुभ मंगल फाउंडेशन के ट्रस्टी कमेटी मेंबरों द्वारा उर्वीश भाई शाह, सुरेश डी. शाह, पीयूष भाई सिरोईया, आशीष भाई लालन, सेवंती भाई अन्य लोगों द्वारा उनका सम्मान किया गया। श्री मोहन भागवत ने पूज्य श्री के साथ 30 मिनट तक अनेक प्रश्नों के निवारण के लिए मीटिंग की और आने वाले दिनों में भी पूज्य श्री के दर्शन के लिए आएंगे ऐसी इच्छा दर्शाई।

सितंबर में हुई जोरदार बारिश से तैयार सब्जियां हो गईं बर्बाद

२८ अगस्त से १० सितंबर तक जिस कीमत पर सब्जियां २० किलो तक बिक रही थीं, वह अब दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं

सूरत। महंगाई की मार अब रसोईघर तक पहुंच गई है। खाद्य तेलों और खाने-पीने की चीजों में बेतहाशा मूल्य वृद्धि ने लोगों को पहले ही परेशान कर रखा था, अब सब्जियों के दाम ने लोगों को बजट हिला कर रख दिया है। वहीं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में जारी बढ़ोतरी से फिलहाल राहत मिलती नहीं दिख रही है। ऐसे में लोगों को अभी परेशानी कम होने वाली नहीं है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से हो रही जोरदार बारिश की वजह से खेतों में तैयार सब्जियां बर्बाद हो गईं। यही वजह से है कि १५ दिन पहले जो सब्जी के भाव थे, वहीं अब दोगुने से तीन गुने तक महंगे हो गए हैं।

हालांकि आलू-प्याज की कीमतों में ज्यादा अंतर नहीं आया है, लेकिन हरी सब्जियां काफी महंगी हो गई है। जो टमाटर १० से १५ दिन पहले मंडी १५-२० रुपए बिक रहे थे, वहीं अब ४०-५० रुपए तक पहुंच गया है। खेतीबाड़ी उत्पन्न बाजार समिति (एपीएमसी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार २८ अगस्त से १० सितंबर तक जिस कीमत पर सब्जियां २० किलो तक बिक रही थीं, वह अब दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं।

एपीएमसी ने बताया कि इस बार जुलाई में पर्याप्त बारिश नहीं हुई, १५ अगस्त तक भी सामान्य से कम बारिश हुई। लेकिन अगस्त महीने के अंत में और सितंबर में हो रही बारिश ने किसानों के लिए समस्या खड़ी कर दी।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से हो रही जोरदार बारिश से खेतों में तैयार सब्जियां खराब हो गईं। साथ ही कई राज्यों में बाढ़ से भी सब्जियां नष्ट हो गई। इस कारण शहर में आने वाली सप्लाई प्रभावित हो गई। नतीजा यह हुआ कि सब्जियों के दाम दोगुने से भी अधिक स्तर पर जा पहुंचे। हांलाकि मानसून आखिर दौर में है, उम्मीद है कि जल्द ही कीमतों में कमी आ जाएगी।

निजी एजेंसी ने एमकॉम सेमेस्टर-२ के परिणाम में भी की भूल

सूरत। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी की ऑनलाइन परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली निजी कंपनी ने अब एमकॉम सेमेस्टर-२ के परिणाम भी भारी भूल कर दी। इसमें १५०० छात्रों को फेल कर दिया गया। इतनी संख्या में फेल हुए छात्र मंगलवार को यूनिवर्सिटी पहुंच गए। जांच की गई तो पता चला कि कंपनी ने प्रश्नपत्र में उत्तर के विकल्प ही गलत दे दिए थे। मंगलवार को फेल हुए ५०० से ज्यादा छात्रों ने यूनिवर्सिटी में हंगामा किया। कुलपति किशोर चावड़ा ने विवाद खत्म करने के लिए छात्रों से कहा कि शाम तक सभी के परिणाम सुधार दिए जाएंगे। उसके बाद शाम को छात्रों को सुधारा गया परिणाम भेजा गया। मंगलवार को कडोदरा, वापी, नवसारी, कामरेज से ५०० से ज्यादा छात्र-छात्राएं और अभिभावक सीधे कुलपति के पास पहुंच गए। उन्होंने कहा कि एमकॉम सेमेस्टर-२ का परिणाम गलत जारी किया गया है। उसके बाद इस मामले की जांच कराई गई। यूनिवर्सिटी ने बताया कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि परिणाम जारी करते समय आंसर के विकल्प गलत दे दिए गए थे। उसके बाद यूनिवर्सिटी ने तत्काल कंपनी से बात करके दोबारा परिणाम जारी करवाया। इसमें फेल छात्रों को पास कर दिया गया

। एमकॉम सेमेस्टर-२ के परिणाम में भूल करने वाली कंपनी इससे पहले ऑनलाइन परीक्षा में भी गड़बड़ी कर चुकी है। २ महीने पहले हुई ऑनलाइन परीक्षा के दौरान कई छात्रों को गलत पासवर्ड और आई कार्ड दे दिए गए थे। इससे छात्रों को काफी परेशानी का सामना करने पड़ा था। उस समय भास्कर ने पड़ताल करके बताया था कि इस निजी कंपनी को बिना यूनिवर्सिटी ने बिना टेंडर के ऑनलाइन परीक्षा लेने से लेकर परिणाम जारी करने तक का काम दे दिया है। जिस कंपनी को यूनिवर्सिटी ने यह काम सौंपा है उसका मूल काम पेपर छापने का है।

अस्पतालों, दवा कंपनियों और डॉक्टरों ने भरा ४४ प्रतिशत से ज्यादा एडवांस टैक्स

सूरत। कोरोना की दूसरी लहर में अस्पताल, दवा बनाने व रिसर्च करने वाली कंपनियां-लैब और डॉक्टरों की खूब कमाई हुई। ऐसे में दवा बनाने वाली एक कंपनी ने पहली लहर की अपेक्षा दूसरी लहर में एडवांड टैक्स के तौर पर १५० प्रतिशत से ज्यादा टैक्स भरा। जिस डॉक्टर ने कभी एडवांस टैक्स नहीं भरा था उसने ४० लाख एडवांस टैक्स भरा। अस्पताल, डॉक्टर, दवा बनाने वाली कंपनियां व लैब पहली लहर की अपेक्षा दूसरी लहर में ४४ प्रतिशत ज्यादा एडवांस टैक्स चुकाया। एडवांस टैक्स देने वाले टॉप-१०० में दवा बनाने वाली और रिसर्च से जुड़ी चार कंपनियां, तीन हॉस्पिटल, एक लैब और एक डॉक्टर शामिल हैं। इन सबने मिलकर २०२१-२२ के अप्रैल से जून तक की तिमाही में लगभग १९८.९७ करोड़ रुपए एडवांस टैक्स दिया, जबकि २०२०-२१ की पहली तिमाही में इन्होंने १३१.२२ करोड़ रुपए एडवांस टैक्स चुकाया था। वित्त वर्ष २०२१-२२ की पहली तिमाही में १२५० करोड़ रुपए एडवांस टैक्स के रूप में जमा हुए। आयकर विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार २०२० में अप्रैल से जून की अपेक्षा २०२१ में अप्रैल से जून के दौरान वडोदरा की एक दवा बनाने वाली कंपनी ने १५० गुना अधिक टैक्स भरा। कंपनी ने बीते साल की पहली तिमाही में लगभग ९ करोड़ रुपए एडवांस टैक्स भरा था जो कि इस साल की पहली तिमाही में २६ करोड़ पहुंच गया। आयकर विभाग के अनुसार मेडिकल रिसर्च करने वाली एक लेबोरेटरी ने पिछले साल की पहली तिमाही में लगभग ५२ करोड़ एडवांस टैक्स भरा था, लेकिन इस साल की इसी अवधि में ६४ करोड़ रुपए एडवांस टैक्स भरा। बीमारी और दवाओं पर रिसर्च करने वाले एक इंस्टिट्यूट का एडवांस टैक्स पिछले साल के ६५ लाख से बढ़कर इस साल १.०१ करोड़ हो गया। एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ने पिछले साल अप्रैल से जून तक लगभग ४.२५ करोड़ का टैक्स भरा था जो इस साल इसी अवधि में ५ करोड़ पर पहुंच गया। दवा बनाने वाली सूरत की कंपनी ने बीते साल ५५ लाख एडवांस टैक्स भरा था जो इस साल १.७० करोड़ पर पहुंच गया। खटोदरा के एक हॉस्पिटल ने २५ लाख की अपेक्षा १.०५ करोड़ एडवांस टैक्स भरा। अडाजण के एक हॉस्पिटल ने बीते साल एक रुपए भी एडवांस टैक्स नहीं भरा था, लेकिन इस साल की पहली तिमाही में ६० लाख एडवांस टैक्स चुकाया। शहर के कई क्षेत्रों में स्थित लेबोरेटरी ने बीते साल लगभग १७ लाख एडवांस टैक्स चुकाया था और इस साल ४५ लाख चुकाया। इसी तरह से एक डॉक्टर ने बीते साल एडवांस टैक्स के तौर पर कुछ नहीं दिया था, लेकिन इस साल ४० लाख रुपए भरे। कोरोनाकाल में बड़ी संख्या में लोगों ने नौकरियां गंवाई, बहुत से लोगों के काम-धंधे बंद थे, लेकिन मेडिकल इंडस्ट्री ने जमकर कमाई की। मेडकिल इंडस्ट्री में इससे पहले शायद ही कभी ऐसी तेजी दिखी हो।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)